जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 21 दिसम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध
आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

क्वालिटी भी FIXED

प्राइस भी FIXED

FIXED PRICE

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल

- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल

- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना

- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी

- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- तिल का तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

AVAILABLE AT 32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM | WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीतिदी

भारत में घास-भूमि संकटापन्न हैं

वैश्विक स्तर पर घासयुक्त पारिस्थितिक तंत्र (जिनमें घासभूमियाँ, सवाना, झाड़ियाँ, वनों के बीच खुली भूमि तथा टुंड्रा क्षेत्र शामिल हैं) पृथ्वी की लगभग 30 से 40 प्रतिशत भूमि को आच्छादित करते हैं और जलवायु परिवर्तन के शमन एवं अनुकूलन, पशुपालन तथा सांस्कृतिक सेवाओं जैसी महत्त्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते हैं। फिर भी, इनकी महत्ता के बावजूद, घासयुक्त पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण को वनों की तुलना में विश्व स्तर पर अपेक्षाकृत उपेक्षित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अनेक क्षेत्रों में इनकी क्षय दर वनों की तुलना में अधिक रही है।

भारत और दक्षिण एशिया में घासभूमियों को पारंपरिक रूप से 'बेकार' या 'बंजर भूमि' समझा जाता है।

इस त्रुटिपूर्ण धारणा के कारण घासभूमि पारितंत्रों को संरक्षण और महत्त्व नहीं मिला। परिणाम यह हुआ कि ऐसे क्षेत्र खंडित और विनष्ट हो रहे हैं। इनकी विशिष्ट जैव-विविधता तथा स्थानीय समुदायों की आजीविका संकट में पड़ी हैं। लंबे समय तक नीति-निर्माताओं ने घासभूमियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित भी नहीं किया। प्रायः इन्हें बिगड़े वनों का हिस्सा या क्षरण-प्राप्त रूप मान लिया गया। परिणामस्वरूप, सुधार के नाम पर कई घास के मैदानों में वृक्षारोपण जैसे अनुचित हस्तक्षेप किए गए। हाल के विश्लेषण दर्शाते हैं कि वृक्ष आवरण बढ़ाने के वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने की मुहिम और घासभूमि प्रबंधन में कई सरकारी एजेंसियों की उलझनभरी भागीदारी ने इन पारितंत्रों को नुक़सान पहुँचाया है, और सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों में व्याप्त 'वन-पक्षपात' ने समस्या को और बढ़ाया है। विशेषज्ञों का मत है कि भारत में घासभूमियों के सफल संरक्षण व पुनर्स्थापन हेतु एक समन्वित राष्ट्रीय नीति-ढाँचे और ठोस पारितंत्र वर्गीकरण प्रणाली की आवश्यकता है।

असल में घासभूमियाँ पारिस्थितिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये पारितंत्र अनेक पारिस्थितिकी सेवाएँ प्रदान करते हैं और जैव विविधता का पोषण एवं संरक्षण करते हैं। कई घासभूमि क्षेत्रों में वनस्पति और जीवों की अनूठी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से बहुत-सी केवल इन्हीं आवासों तक सीमित (स्थानिक) हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के डेजर्ट नेशनल पार्क जहाँ गोडावण प्रजाति पाई जाती है, जैसी घासभूमि में सैकड़ों पौधों की प्रजातियाँ पाई गई हैं। घासभूमियाँ अनेक विशिष्ट वन्यजीवों और वनस्पतियों को आश्रय देती हैं। इनके बने रहने से जल-संचय जैसी पारिस्थितिक सेवाएँ भी मिलती हैं। पश्चिमी घाट की पर्वतीय घासभूमियों जिन्हें शोला कहा जाता है, पर शोध से पता चला है कि यदि वहाँ फैल रहे विदेशी पेड़ों (जैसे यूकेलिप्टस, एकेशिया) को हटाकर मूल घास मैदान को बहाल किया जाए तो जलधारा प्रवाह बढ़ता है।

फिर भी, अपने बहुमूल्य महत्व के बावजूद भारत की घासभूमियाँ अनेक गम्भीर संकटों का सामना कर रही हैं। भूमि-उपयोग परिवर्तन इनमें सबसे प्रमुख है: विशाल घासभूमि क्षेत्रों को कृषि, वनीकरण या विकास परियोजनाओं हेतु परिवर्तित किया जा चुका है। पश्चिमी भारत के थार मरुस्थलीय क्षेत्र में कई अहम घास के मैदान बढ़ती मानव आबादी और विकास के दबाव के चलते खेतों में बदले जा चुके हैं।

तराई-दुआर जैसे इलाकों में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहाँ हिमालय की तलहटी की अधिकांश घासभूमि पहले ही कृषि और शहरीकरण की भेंट चढ़ चुकी है। जो थोड़े-बहुत घासस्थल बचे हैं, वे भी धीरे-धीरे झाड़ियाँ और वृक्ष पनपने से सिकुड़ रहे हैं। भारत-नेपाल के संरक्षित तराई-दुआर क्षेत्रों में पिछले तीन दशकों में घासभूमि क्षेत्रफल में लगभग 34 प्रतिशत की कमी आई, जबकि वनों/झाड़ियों का आवरण 8-9 प्रतिशत बढ़ गया है। स्पष्ट है कि कई घासस्थलों में काष्ठीय वनस्पतियों का अतिक्रमण जारी है, जिससे खुले घास के मैदान सिकुड़ते जा रहे हैं।

घासभूमियों पर दूसरा बड़ा संकट बाहरी आक्रामक प्रजातियों (इनवेसिव स्पीशीज) का फैलाव है। देश के विभिन्न भागों में कई अनावश्यक खरपतवार और लताएँ प्राकृतिक घासभूमियों में घुसपैठ कर रही हैं।

असम के मानस तथा काज़ीरंगा जैसे राष्ट्रीय उद्यानों के घासस्थलों में क्रोमोलेना ऑडोराटा और मिकेनिया माइक्रांथा जैसी आक्रामक प्रजातियाँ तेज़ी से फैलकर घास के स्थान पर घनी झाड़ियाँ बना रही हैं। ये अवांछित पौधे हाथी, गैंडे, बारहसिंगा आदि बड़े शाकाहारी जीवों के लिए उपलब्ध चारा और आवरण को घटा देते हैं। एक सींग वाले गैंडे के मामले में शिकार रोकने पर तो ध्यान है, मगर घासभूमि में फैलती इन खरपतवारों पर नहीं। यदि यह स्थिति यूँ ही जारी रही तो गैंडे समेत अन्य घासभूमि-निर्भर जीवों के लिए उपयुक्त भोजन और आवास लगातार घटते जाएँगे। पश्चिम भारत की सूखी चारागाह भूमि पर प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा नामक कांटेदार विदेशी वृक्ष बड़ा संकट बन चुका है। गुजरात के कच्छ जिले की बन्नी घासभूमि में प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के भारी प्रसार ने कई देशज पेड़-झाड़ियों को पीछे ढकेल दिया है।

यहाँ तक कि औषधीय महत्व की दुर्लभ गुग्गुल जैसी स्थानीय प्रजाति की संख्या इन झाड़ियों के बढ़ने से घट गई है। प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के आक्रमण से घासभूमि की संरचना बदल जाती है - भले ही कुल प्रजाति संख्या में कुछ खरपतवारों की मौजूदगी से बढ़ोतरी दिखे, पर महत्वपूर्ण स्थानिक प्रजातियाँ और पौष्टिक घासें कम हो जाती हैं। आक्रामक प्रजातियों का बेकाबू फैलाव घासभूमि पारितंत्र की गुणवत्ता और उत्पादकता दोनों घटा देता है।

प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के आक्रमण से घासभूमि की संरचना बदल जाती है - भले ही कुल प्रजाति संख्या में कुछ खरपतवारों की मौजूदगी से बढ़ोतरी दिखे, पर महत्वपूर्ण स्थानिक प्रजातियाँ और पौष्टिक घासें कम हो जाती हैं। आक्रामक प्रजातियों का बेकाबू फैलाव घासभूमि पारितंत्र की गुणवत्ता और उत्पादकता दोनों घटा देता है।

अनियंत्रित चराई (अत्यधिक चरन) भी कई घासभूमियों के क्षरण का कारण है। हिमालय से लेकर मध्य व पश्चिम भारत तक अनेक चरागाह क्षेत्रों में अत्यधिक पशुपालन दबाव के चलते घास आवरण में कमी, मिट्टी क्षरण और उत्पादकता घटने जैसी समस्याएँ देखी गई हैं। जब चराई की दर घास के पुनर्जीवन से अधिक हो जाए, तो घास दुर्बल पड़कर खरपतवारों को स्थान देने लगती हैं, और अन्ततः भूमि की वहन क्षमता घट जाती है जिससे पशुधन एवं वन्यजीव दोनों प्रभावित होते हैं।

अग्नि प्रबंधन की चुनौतियाँ भी घासभूमियों को प्रभावित करती हैं। आग कई उष्णकटिबंधीय घासभूमि पारितंत्रों का प्राकृतिक अंग रही है - समय-समय पर नियंत्रित आग से पुरानी घास हटकर नई घास का अंकुरण होता है और वृक्षों का अत्यधिक बढ़ना थमता है। लेकिन आज कई अभयारण्यों में आग का संतुलन बिगड़ गया है: कहीं हर साल अनियंत्रित आग लगने से कुछ हिस्से बार-बार जलते हैं, तो कहीं आग पूरी तरह रोक देने से झाड़ियाँ बेरोकटोक फैल जाती हैं। तराई के अभयारण्यों में उपग्रह आंकड़ों से पता चला है कि पार्क के भीतर सड़कों के किनारे आग की घटनाएँ अंदरूनी हिस्सों की तुलना में कहीं अधिक होती हैं, जिससे वे घास के मैदान बारंबार जलकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। पश्चिमी घाट में भी आग-निषेध की नीति के फलस्वरूप कई घासभूमियाँ वनों में तब्दील हो गई हैं। इसलिए आग का न तो अतिप्रयोग हो और न ही पूरा निषेध - संतुलित अग्नि प्रबंधन घासभूमि के लिए आवश्यक है।

घासभूमि पारितंत्रों पर हाल के वैज्ञानिक अध्ययनों से इन प्रणालियों की जटिलता पर नई रोशनी पड़ रही है। एक नियंत्रित प्रयोग में शुष्क उष्णकटिबंधीय घासभूमि की कुल प्राथमिक उत्पादकता वर्षा बढ़ने पर बढ़ गई, पर यह वृद्धि मुख्यतः घास (ग्रैमिनॉइड) प्रजातियों से आई; चौड़ी पत्ती फ़ोर्ब प्रजातियों में ऐसा लाभ नहीं देखा गया। वास्तव में कुछ फ़ोर्ब प्रजातियाँ बहुत कम या बहुत अधिक वर्षा, दोनों परिस्थितियों में घट गईं - जिससे संकेत मिलता है कि वर्षा पैटर्न में बड़े बदलाव इन संवेदनशील प्रजातियों को नुकसान पहुँचा सकते हैं और घासभूमि की जैव-विविधता को बदल सकते हैं। घासभूमियों की उत्पादन क्षमता मिट्टी में पोषक तत्वों की उपलब्धता पर भी निर्भर करती है। पश्चिमी भारत की बन्नी घासभूमि में फॉस्फोरस की कमी को घास उत्पादन घटने का प्रमुख कारण पाया गया है; लेकिन नियंत्रित मध्यम चराई जैसे प्रबंधन से मिट्टी में पोषक चक्रण बढ़ाकर घासभूमि की उत्पादकता और स्थायित्व सुधारा जा सकता है। अंत में, घासभूमियों के पुनर्स्थापन से कार्बन भंडारण क्षमता भी बढ़ सकती है। एक अध्ययन के अनुसार अर्ध-शुष्क सवाना घासभूमियों में बहाली के केवल तीन वर्षों बाद मिट्टी के कार्बन भंडार बिना बहाली वाले स्थलों की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक पाए गए। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि प्रभावी संरक्षण और बहाली से ये घासभूमियाँ प्राकृतिक 'कार्बन सिंक' की तरह कार्य कर सकती हैं।

इन चुनौतियों को देखते हुए भारत में घासभूमियों की रक्षा, सतत प्रबंधन और पुनर्स्थापन के लिए बहुआयामी रणनीतियाँ अपनाना अत्यावश्यक है। सबसे पहले, नीति-निर्माण के स्तर पर घासभूमियों को उनका उचित स्थान देना होगा। जब तक राष्ट्रीय स्तर पर घासभूमियों को एक अलग और महत्त्वपूर्ण पारितंत्र के रूप में मान्यता देकर उन्हें 'वेस्टलैंड' या निम्न श्रेणी के दर्जे से बाहर नहीं निकाला जाता, तब तक इनके साथ होने वाला भेदभाव समाप्त नहीं होगा। एक समग्र राष्ट्रीय घासभूमि नीति तथा स्पष्ट पारितंत्र-वर्गीकरण ढाँचे की आवश्यकता है, जिससे संरक्षण और प्रबंधन प्रयासों को सही दिशा मिल सके।

स्थानीय स्तर पर परिस्थितियों के अनुसार विकेन्द्रीकृत योजनाएँ बनानी होंगी। दक्षिण भारत की कंगयम घासभूमि इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहाँ स्थानीय किसानों ने लगभग 150 वर्षों से घेराबंदी कर चराई को नियंत्रित करते हुए, अंतराल पर चारा फसलें उगाते हुए और जल-संचयन व सिंचाई का उपयोग करके इस शुष्क क्षेत्र की घासभूमि को सतत उत्पादक बनाए रखा है। सुनिश्चित भू-अधिकार और सामुदायिक सहयोग की बदौलत यह चारागाह एक सदी से अधिक समय तक स्थिर बना रहा, जो दर्शाता है कि समुदाय-आधारित प्रबंधन घासभूमि संरक्षण में अत्यंत प्रभावी हो सकता है।

आक्रांत वनस्पतियों से प्रभावित घासभूमियों में उन्हें नियंत्रित करने और हटाने के विशेष उपाय ज़रूरी हैं। कच्छ की बन्नी घासभूमि में प्रोसोपिस का प्रसार रोकने के लिए एक अध्ययन में यांत्रिक उन्मूलन (झाड़ियों को जड़ समेत हटाना) और आंशिक छंटाई (लॉपिंग) दो तरीकों का परीक्षण किया गया।

परिणामों के अनुसार प्रोसोपिस को पूर्णतः हटाने पर घासभूमि की देशी वनस्पति आवरण और प्रजाति विविधता, नियंत्रण की तुलना में तीन से छह गुना तक बढ़ गई, जबकि केवल छंटाई से विशेष लाभ नहीं हुआ। हालाँकि प्रोसोपिस का पूरी तरह उन्मूलन महंगा है और कुछ स्थानीय लोग ईंधन-चारे के लिए उस पर निर्भर हैं, इसलिए विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि बहाली के दौरान कुछ भाग प्रोसोपिस युक्त छोड़ना और शेष को प्रोसोपिस मुक्त रखना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। राजस्थान के घासबीड में भी प्रोसोपिस हटाना आवश्यक है। संरक्षित क्षेत्रों में सक्रिय खरपतवार नियंत्रण अपनाकर भी घासभूमियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, और इसके परिणाम अच्छे मिले हैं। असम के मानस राष्ट्रीय उद्यान में पार्क प्रबंधन तथा अन्य संगठनों ने मिलकर क्रोमोलेना जैसी खरपतवारों को काटकर-जलाकर दर्जनों हेक्टेयर घासभूमि बहाल की हैं और बेहतर गश्त और निगरानी द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ये आक्रामक प्रजातियाँ फिर सिर न उठा सकें। जहाँ घासभूमि में झाड़ियों/वृक्षों का अतिक्रमण बढ़ रहा हो, वहाँ नियंत्रित आग और नियोजित चराई जैसे हस्तक्षेप अपनाकर घासभूमि को खुले स्वरूप में बनाए रखा जा सकता है। अंत में, घासभूमि संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय समुदायों की भागीदारी, वैज्ञानिक समझ और शासन की दृढ़ इच्छाशक्ति - इन तीनों की आवश्यकता है। तभी हम सुनिश्चित कर पाएँगे कि ये मूल्यवान घासभूमि पारितंत्र भविष्य के लिए सुरक्षित रहें और 'बंजर भूमि' समझकर की जाने वाली उपेक्षा से मुक्त हो सकें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

महिला सशक्तिकरण में राजस्थान : योजनाओं से आत्मनिर्भरता तक की यात्रा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने महिला सशक्तिकरण को मात्र नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि आंकड़ों से प्रमाणित सामाजिक परिवर्तन में रूपांतरित किया है

डॉ. मंजू बाघमार

किसी भी राज्य की प्रगति का सबसे विश्वसनीय पैमाना उसकी महिलाओं की स्थिति होती है। जब महिलाएँ शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर होती हैं, तभी समाज का संतुलित और टिकाऊ विकास संभव होता है। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने इस मूल सत्य को शासन की प्राथमिकता बनाते हुए महिला सशक्तिकरण को नीतिगत संकल्प, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और ठोस क्रियान्वयन के साथ आगे बढ़ाया है। इसके परिणाम आज अद्यतन आंकड़ों और ज़मीनी बदलाव के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि महिला सशक्तिकरण किसी एक विभागीय योजना तक सीमित नहीं, बल्कि सरकार के समग्र शासन दर्शन का केंद्रीय स्तंभ है। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और महिला सुरक्षा सहित हर क्षेत्र में महिला-केंद्रित योजनाओं को ठोस गति मिली है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सामाजिक सुरक्षा सबसे मजबूत आधार है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा 91 लाख पेंशनधारकों के खातों में 1,100 करोड़ की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से हस्तांतरित की गई। पालनहार योजना के अंतर्गत 5.95 लाख लाभार्थियों को 103 करोड़ की सहायता प्रदान की गई, जिससे अनाथ, परित्यक्त और असहाय बच्चों की परवरिश करने वाली महिलाओं को आर्थिक संबल मिला।

बालिका एवं महिला शिक्षा को मजबूती : उच्च शिक्षा में बालिकाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 5,000 छात्राओं को 2.5 करोड़ की सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की 1.55 लाख छात्राओं को 15 करोड़ की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति दी गई, जिससे सामाजिक समानता और शिक्षा में भागीदारी को मजबूती मिली।

लाडो प्रोत्साहन योजना को अब लक्षित और प्रभावी स्वरूप दिया गया है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 4.6 लाख बालिकाओं को 1.5 लाख तक की आर्थिक सहायता किश्तों में प्रदान की जा रही है। यह योजना बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक संरक्षित करने का सशक्त माध्यम बन रही है।

महिला स्वास्थ्य को मानवीय दृष्टिकोण से सुदृढ़ करते हुए सरकार ने 1.22 करोड़ महिलाओं एवं किशोरियों को निःशुल्क मासिक सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए हैं। मातृत्व सहायता राशि को बढ़ाकर 6,500 किया गया है, जिससे अब तक लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाएँ लाभान्वित हुई हैं।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत राजस्थान ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी की शुरुआत की है। इससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है, जहाँ लाभार्थी अब अन्य राज्यों में भी कैशलेस इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

वर्तमान में राज्य में 1,800 अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं तथा देशभर के 31,000 से अधिक अस्पतालों को इससे जोड़ने की प्रक्रिया जारी है।

प्रधानमंत्री के विज़न से प्रेरित होकर राजस्थान सरकार ने 19.45 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया है, जिनमें से 12 लाख से अधिक महिलाएँ 'लखपति दीदी' के रूप में आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। महिला उद्यिमता को बढ़ावा देने के लिए 5,000 लखपति दीदियों को 100 करोड़ की ऋण सहायता दी गई है। साथ ही लखपति दीदी, कृषि सखी और पशु सखी को टैबलेट वितरण कर उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनाया गया है।

महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राज्य में 22,000 सीसीटीवी कैमरे, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और 65 एंटी-रोमियो स्क्वॉड सक्रिय किए गए हैं। इन ठोस प्रयासों का परिणाम यह रहा है कि पिछली सरकार के अंतिम दो वर्षों की तुलना में महिला अपराधों में 12 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने महिला सशक्तिकरण को मात्र नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि आंकड़ों से प्रमाणित सामाजिक परिवर्तन में रूपांतरित किया है। करोड़ों महिलाएँ लाभान्वित हुई हैं, हजारों करोड़ रुपये का निवेश सीधे महिलाओं के जीवन में उतरा है और आत्मनिर्भरता का आत्मविश्वास ज़मीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

आज राजस्थान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय और प्रेरणादायी मॉडल के रूप में उभर रहा है, जो 'विकसित राजस्थान 2047' की परिकल्पना को सशक्त आधार प्रदान करता है।

–डॉ. मंजू बाघमार,
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, राजस्थान

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जैसलमेर-बाड़मेर जिलों में "गोडावण" को मिलेगा जीवनदान

14 वर्ष बाद में सुप्रीम कोर्ट का फैसला गोडावण बचाने के क्रम में आया है, कोर्ट ने जैसलमेर-बाड़मेर में बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने का फैसला सुनाया

जैसलमेर, (निसं)। पवन चक्की, सौर ऊर्जा की करंट वाली लाइनों की चपेट में आने से जैसलमेर-बाड़मेर जिलों में गोडावण की अकाल मृत्यु हो रही है। 2011 में तत्कालीन जिला कलैक्टर गिरिराजसिंह कुशवाह द्वारा इन लाइनों को अंडरग्राउंड करवाने के लिये केंद्र एवं राज्य सरकार को पत्र लिखा था, अब 14 वर्ष बाद में सुप्रीम कोर्ट का फैसला गोडावण बचाने के क्रम में आया है। जैसलमेर-बाड़मेर में बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स पर न्यायालय ने रोक लगाने का निर्णय सुनाया है।

राज्य पक्षी गोडावण को विलुप्त होने से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक और सख्त फैसला सुनाया है। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस अतुल चांदूरकर की पीठ ने गोडावण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्थान और गुजरात के कुल 14 हजार 753 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बड़े सोलर पार्क, पवन ऊर्जा परियोजनाओं और हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइनों पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने पूर्व आईएएस अधिकारी और पर्यावरणविद् एम. के. रंजीत सिंह द्वारा दायर याचिका जिसमें कहा गया है कि गोडावण के विचरण क्षेत्र में तेज़ी से फैल रही सोलर और विंड परियोजनाएं और बिजली लाइनें इस दुर्लभ पक्षी के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी हैं, पर न्यायालय द्वारा शुक्रवार 19 दिसम्बर को फैसला सुनाते हुए ऐतिहासिक टिप्पणी की, जिसका सबसे ज्यादा असर जैसलमेर और बाड़मेर जिलों पर पड़ेगा। गोडावण राजस्थान की आत्मा है। अगर यह पक्षी खत्म हुआ, तो यह हमारी पीढ़ी की सबसे बड़ी पर्यावरणीय विफलता होगी।

- **गोडावण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्थान और गुजरात के 14 हजार 753 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बड़े सोलर पार्क, पवन ऊर्जा परियोजनाओं और हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइनों पर रोक लगा दी है**
- **पीठ ने अपने आदेश में माना कि जैसलमेर-बाड़मेर क्षेत्र में गोडावण की मौत का सबसे बड़ा कारण हाईटेंशन बिजली लाइनों से टकराव है, खुले रेगिस्तानी इलाकों में उड़ते समय गोडावण को तार दिखाई नहीं देते और टकराकर इनकी मौत हो जाती है**
- **2011 में तत्कालीन जिला कलैक्टर गिरिराजसिंह कुशवाह ने पवन चक्की, सौर ऊर्जा की करंट वाली लाइनों की चपेट में आने से गोडावण की हो रही अकाल मृत्यु को लेकर इन लाइनों को अंडरग्राउंड करवाने के लिये केंद्र एवं राज्य सरकार को पत्र लिखा था**

कोर्ट ने कहा कि जैसलमेर-बाड़मेर में काम कर रही ऊर्जा कंपनियों को अपनी सीएसआर राशि गोडावण और पर्यावरण संरक्षण पर खर्च करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में गोडावण के लिए संरक्षित क्षेत्र बढ़ाकर 14 हजार 13 वर्ग किलोमीटर कर दिया है। इसमें जैसलमेर के सम, पोकरण, लाठी, धोलीया, चाचा, ओढ़ाणिया और बाड़मेर से सटे कई इलाके शामिल हैं। इन क्षेत्रों में अब 2 मेगावाट से बड़े नए सोलर प्रोजेक्ट, नई पवन चक्कियां और हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइनें नहीं लगाई जा सकेंगी। पीठ ने अपने आदेश में माना कि जैसलमेर-बाड़मेर क्षेत्र में गोडावण की मौत का सबसे बड़ा कारण हाईटेंशन बिजली लाइनों से टकराव है। खुले रेगिस्तानी इलाकों में उड़ते समय गोडावण को तार दिखाई नहीं देते और टकराकर उसकी मौत हो जाती है।

इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने 33 केवी, 66 केवी और कई जगह 400 केवी तक की मौजूदा बिजली लाइनों को अंडरग्राउंड करने या दूसरी जगह शिफ्ट करने का आदेश दिया है। लगभग 250 किलोमीटर लंबी बिजली लाइनों को अगले दो वर्षों में भूमिगत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अब गोडावण क्षेत्र में बिजली लाइनें बेतरतीब तरीके से नहीं बिछेंगी। संवेदनशील इलाकों में केवल निर्धारित पावर कॉरिडोर से ही ट्रांसमिशन लाइनें गुजरेंगी, ताकि पक्षियों के प्राकृतिक आवागमन में बाधा न आए। जैसलमेर और बाड़मेर देश के सबसे बड़े सोलर और विंड एनर्जी हब माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यहां चल रही और प्रस्तावित कई बड़ी परियोजनाओं पर असर पड़ेगा। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि स्थानीय जरूरतों के लिए 2 मेगावाट तक के छोटे सोलर प्रोजेक्ट्स को अनुमति दी जा सकती है।

पीठ ने केंद्र और राज्य सरकार को प्रोजेक्ट गोडावण के दूसरे चरण को तेजी से लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत घास के मैदानों का संरक्षण, अवैध शिकार पर सख्ती, आवारा कुत्तों और शिकारी जानवरों की निगरानी तथा गोडावण के प्रजनन कार्यक्रम को तेज किया जाएगा।

राजस्थान में गोडावण की स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार राज्य में अब सिर्फ 175 गोडावण ही शेष बचे हैं। इनमें से अधिकांश पक्षी जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क और उससे सटे इलाकों में पाए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने गोडावण को पहले ही अति संकटग्रस्त श्रेणी में रखा है।

वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तत्काल और सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले कुछ वर्षों में गोडावण पूरी तरह विलुप्त हो सकता है। बिजली की हाईटेंशन लाइनों से टकराव, घटते घास के मैदान और मानवीय गतिविधियां इसके अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हुई हैं।

राशिफल रविवार 21 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 3:36 तक, वृद्धि योग सायं 4:36 तक, बव करण प्रातः 9:11 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-धनु, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज राजयोग रात्रि 3:36 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि और त्रिपुष्कर योग रात्रि 3:36 से सूर्योदय तक है। सायन मकर में सूर्य प्रवेश रात्रि रात्रि 8:33 पर होगा। आज प्रतिपदा तिथि में वृद्धि हुई है। आज चन्द्र दर्शन उत्तर श्रृंगोन्नति है। आज से सूर्य उत्तरायण होगा और शिशिर ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:33 से 9:50 तक, लाभ-अमृत 9:50 से 12:25 तक, शुभ 1:42 से 2:59 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:16, सूर्यास्त 5:34 तक

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत पारिवारिक परेशानी दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। धार्मिक-मांगलिक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

सिंह
आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों और मित्रों-रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। मनोरंजन से संबंधित यात्रा संभव है।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 35 संख्याः 136 प्रभात अजमेर, रविवार 21 दिसम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा के मंत्री व सांसद भी प्रियंका की तारीफ करते देखे गए संसद में

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिनों में राहुल की गैर मौजूदगी में प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की कमान संभाली

- प्रियंका की जोशीली किन्तु संयमित भाषण शैली के साथ-साथ उनके शिष्ट व्यवहार ने भी लोगों का दिल जीत लिया।
- उनकी आकर्षक मुस्कुराती छवि में लोगों को इंदिरा गांधी की झलक नज़र आई।
- सत्र के अंतिम दिन स्पीकर की औपचारिक चाय पार्टी में प्रियंका ने प्र.मंत्री मोदी से उनकी विदेश यात्रा के बारे में पूछा व कुछ अनौपचारिक बातें भी कीं, नितिन गडकरी के साथ भी उन्होंने बात की।
- प्रियंका का यह शालीन तथा शिष्ट व्यवहार सोशल मीडिया पर छाया रहा।
- प्रियंका को जो लोकप्रियता और वाहवाही मिली, उसे देखकर राहुल की टीम को राहुल के जर्मनी प्रवास पर अवश्य ही खेद हो रहा होगा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसंबर। संसद के शीतकालीन सत्र के आख़िरी दिनों में राहुल गांधी जर्मनी में थे, इसलिए बड़े भाई की गैरमौजूदगी में संसद में पार्टी की कमान और पूरे घटनाक्रम को सँभालने की ज़िम्मेदारी प्रियंका गांधी पर आ गई।

उन्होंने बेहद शानदार प्रदर्शन किया। प्रियंका गांधी एक स्वाभाविक नेता के रूप में सामने आईं, एक स्टार लीडर, जो फ्रंट लाइन पर आकर नेतृत्व करता है। सोशल मीडिया और मीडिया में उनकी खूब चर्चा हुई, उनकी तस्वीरें और वीडियो हर जगह छाए रहे और मीडिया उन्हें बार-बार दिखाता रहा।

इंदिरा गांधी की तरह नज़र आने वाली प्रियंका गांधी एक आकर्षक, मुस्कुराती हुई, धैर्यवान नेता के रुप में उभरीं। वे पूरे जोश के साथ बोलीं, लेकिन संयम बनाए रखा। उन्होंने सत्र के अंत में स्पीकर द्वारा की गई परंपरागत चाय पार्टी में प्रधानमंत्री मोदी से शिष्टाचार बातचीत भी की।

वंदे मातरम् पर प्रियंका गांधी का भाषण काफी वायरल हुआ और बड़ी संख्या में लोगों ने उनके भाषण का वीडियो देखा और सराहा।

संसद में मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में उन्होंने सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर विरोध का नेतृत्व किया।

इसके बिल्कुल उलट, राहुल गांधी को एक "एंग्री यंग मैन" के रूप में देखा जाता है, जिनके भाषणों में आक्रामकता, नाराज़गी और भाजपा नेतृत्व पर तीखा हमला ज़्यादा दिखता है।

भाई और बहन की शैली अलग-अलग है। दोनों भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ एक जैसा संदेश देते हैं, लेकिन बिल्कुल अलग तरीकों से।

राहुल की अनुपस्थिति में संसद के शीतकालीन सत्र के आख़िरी तीन दिनों में जो देखा गया, वह था प्रियंका गांधी का उदय। उन्हें राहुल गांधी की तुलना में कहीं ज़्यादा फोकस, प्रतिक्रिया और तालियाँ मिलती देखी गईं।

चाय पार्टी के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूछा, उनकी विदेश यात्रा कैसी रही। उन्होंने मोदी को बताया कि गले में ख़राश के लिए वे वायनाड से केरल की एक खास जड़ी-बूटी मंगवाती हैं, जो दिल्ली के प्रदूषण से राहत दिलाती है।

यह सब शालीन और सभ्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में नये साल से ईवनिंग कोर्ट की तैयारी

जयपुर, 20 दिसंबर। नए साल से राजस्थान में इवनिंग कोर्ट आरंभ करने की कवायद की जा रही है। इसके तहत, नियमित समय के बाद शाम के समय भी अदालतों में सुनवाई होगी। हाईकोर्ट प्रशासन ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया है।

जानकारी के अनुसार, फिलहाल जोधपुर और जयपुर में एक-एक मजिस्ट्रेट कोर्ट को यह जिम्मेदारी दी गई है। इन अदालतों में फिलहाल चेक बाउंस जैसे प्रकरणों को लाया जाएगा।

- जयपुर व जोधपुर में प्रयोग सफल हुआ तो पूरे प्रदेश में लागू होगा।

यदि इवनिंग कोर्ट का यह प्रयोग सफल रहा तो इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जा सकता है।

दूसरी ओर, राजस्थान हाईकोर्ट की हाल ही में हुई फुल कोर्ट की मीटिंग में तय किया गया है कि नए साल से अब हर माह दो शनिवार को मुकदमों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए साल 2026 के कैलेंडर में संशोधन भी कर दिया गया है। ऐसे में अब अगले साल से हाईकोर्ट में 24 दिन मुकदमों की अतिरिक्त सुनवाई होगी। फिलहाल हाईकोर्ट में हर शनिवार का अवकाश रहता है। बताया जा रहा है कि माह में दो दिन अतिरिक्त सुनवाई होने से लंबित मुकदमों की संख्या में काफी हद तक कमी आएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वो दिन गए, जब भाजपा सहयोगी दलों की "मेहरबानी" पर निर्भर नज़र आती थी

हालांकि, अभी भी भाजपा की केन्द्रीय सरकार के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, पर, बिहार की जीत ने सहयोगी दलों व भाजपा के संबंधों के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है

- चंद्रबाबू नायडू नहीं चाहते थे, एसआईआर की कार्यवाही आँध्र में करवाई जाए, पर, चुनाव आयोग ने बोगस मतदाता व जायज मतदाता को पहचानने की कार्यवाही आँध्र में बेखटके जारी रखी।
- नीतीश कुमार भी हालांकि, बिहार में मु.मंत्री बने हैं, पर, उनकी उतनी नहीं चल रही, जितनी पहले चलती थी।
- इसी प्रकार छोटी-छोटी सहयोगी पार्टियों की राजनीतिक सोच में न्यूक्लियर एनर्जी विधेयक (शांति बिल) फिट नहीं बैठता, पर, सभी सहयोगी दलों ने केन्द्रीय सरकार के इन तीनों विधेयकों के पक्ष में ही मतदान किया, संसद में।
- काफी चर्चा थी कि संघ नये भाजपा अध्यक्ष के पद पर अपने आदमी को लाना चाहता है, नितिन नबीन के अध्यक्ष बनने से पीढ़ी परिवर्तन तो जरुर हुआ, पर, इसे संघ की जीत नहीं माना जा सकता।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसंबर। बिहार में जीत के बाद भाजपा के दो सबसे बड़े चेहरे-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह-ने एनडीए के भीतर और बाहर, दोनों जगह अपनी पकड़ एक बार फिर मज़बूती से स्थापित कर ली है।

हालिया घटनाक्रम इस बदलाव की ओर इशारा करते हैं: सरकार द्वारा यूपीए दौर के दो प्रमुख क़ानूनों को हटाने के लिए वीबी-जी राम जी और एसएचएएनटीआई (शांति) विधेयक लाने पर एनडीए पार्टनर्स का समर्थन, बीमा क़ानून में संशोधन, एसआईआर के मुद्दे पर सरकार का झुकने से इनकार, और "वंदे मातरम्" को लेकर भाजपा का आक्रामक अभियान।

भाजपा के पास अब भी लोकसभा में पूर्ण बहुमत नहीं है, लेकिन वे दिन अब दूर जा चुके हैं, जब पार्टी को चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार की जेडीयू जैसी सहयोगी पार्टियों की कृपा पर निर्भर रहना पड़ता था। उदाहरण के लिए, टीडीपी आंध्र प्रदेश में एसआईआर कराए जाने के फ़ैसले से कथित तौर पर नाराज़ है, लेकिन चुनाव आयोग ने वहाँ इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय ले लिया है।

इसी तरह, 'सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फ़ॉर ट्रांसफ़ॉर्मिंग इंडिया' (एसएचएएनटीआई-शांति) विधेयक, जो निजी क्षेत्र को परमाणु बिजली संयंत्रों के संचालन में शामिल करने के लिए भारत के परमाणु ऊर्जा कानूनी ढांचे में बड़ा बदलाव करता है, छोटे एनडीए पार्टनर्स की राजनीति से मेल नहीं खाता। इसके बावजूद, इन दलों ने संसद के अभी समाप्त हुए शीतकालीन सत्र में भाजपा द्वारा पेश किए गए इस विधेयक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा का पलटवार है कि मनरेगा में परिवर्तन का विरोध क्यों है?

बिहार में 4.33 लाख जॉब कार्ड फर्जी लाभार्थियों के बनते थे

- नई स्कीम में 40 प्रतिशत खर्चा राज्य सरकार का होने लगेगा तो सरकारी तंत्र, "ब्यूरोक्रेसी", अपने आप सतर्क हो जाएगी कि सही खर्चा ही होगा, फ़र्ज़ी लाभार्थी दिखाकर, पैसा उठाने पर अपने आप अंकुश लगेगा।
- विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनका उस "संरक्षण उद्योग" (पैट्रोनेज़ इण्डस्ट्री) पर नियंत्रण खत्म हो जाएगा, जो अब तक फ़र्ज़ी लाभार्थियों के कारण बेधड़क चल रहा था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना में एक भावनात्मक मुद्दे पर सहमति जताते हुए इसके नाम में महात्मा गांधी का नाम जोड़ने का निर्णय लिया है, साथ ही उन्होंने संसद में गुरुवार को पारित विकासशील भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) बिल के सभी प्रावधानों को लागू करने पर जोर दिया।

विपक्षी दल इस बिल का विरोध करने के लिए एकजुट हो गए थे, लेकिन संसद में जो नाटक हुआ, वह ग्रामीण श्रमिकों की मदद के लिए नहीं, बल्कि बिचौलियों को अपना हिस्सा खोने से बचाने के लिए था। वे इस योजना का 40 प्रतिशत भार राज्य सरकारों पर डालने के खिलाफ थे, और दावा कर रहे थे कि इससे राज्य सरकारों का बजट बिगड़ जाएगा।

मोदी सरकार ने जोर दिया कि केन्द्र सरकार 60 प्रतिशत खर्च वहन करेगी, शेष 40 प्रतिशत राज्य सरकार देगी। इसके पीछे कारण था, जैसा कि उन्होंने बिहार में 4.33 लाख मनरेगा जॉब काड्र्स के बारे में बताया, जो कागजों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार को लखपति दीदियों से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री

जयपुर, 20 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार (21 दिसम्बर) को ओटीएस सभागार में राज्य स्तरीय लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में राजीविका के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लखपति दीदियों के साथ संवाद करेंगे।

इस दौरान, मुख्यमंत्री लखपति दीदियों के साथ उनकी आत्मनिर्भरता की यात्रा पर चर्चा करेंगे। साथ ही, विभिन्न जिलों में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ी लखपति दीदियों से बातचीत कर उनके अनुभव भी जानेंगे। मुख्यमंत्री लखपति दीदियों को टेबलेट भी वितरित करेंगे।

- वे विभिन्न जिलों की लखपति दीदियों से वीडियो कॉन्फ्रैंस के जरिए संवाद करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी यू.पी.ए. सरकार में मनरेगा स्कीम की प्रेरणास्त्रोत व जननी मानी जाती थीं

अतः अब उन्हें इस स्कीम के सोच व क्रियान्वयन में परिवर्तन व्यक्तिगत तौर असहनीय हो रहा है

- कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह व्यक्तिगत पीड़ा भांपते हुए, 27 दिसंबर की सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक मनरेगा में परिवर्तन के मुद्दे को लेकर रखी है।
- कांग्रेस हाईकमान मानती है, इस मुद्दे की प्रतिध्वनि देश के पूरे ग्रामीण इलाकों में होगी तथा कांग्रेस इस विरोध को देश व्यापी आंदोलन का रूप देगी।
- कांग्रेस का इस आंदोलन में नारा होगा, सरकार केवल स्कीम का नाम नहीं बदल रही, उसकी आत्मा खत्म कर रही है, जिससे मनरेगा वर्कर का आत्मसम्मान जुड़ा है।
- सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक "रोड मैप" तैयार करेगी, रैली, प्रदर्शन का, प्रदेश के संगठनों से समन्वय स्थापित करके तथा इस आंदोलन को मोदी सरकार के खिलाफ आक्रमण को मुख्य आधार बनाएगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। ग्रामीण रोज़गार गारंटी क़ानून में प्रस्तावित बदलावों को लेकर मोदी सरकार पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का तीखा हमला देश भर के पार्टी नेताओं के लिए एक साफ़ राजनीतिक संकेत बनकर उभरा है कि अब लंबे और लगातार टकराव के लिए तैयार रहा जाए।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा संसद के भीतर और बाहर दिए गए कड़े वीडियो संदेश ने सत्तारूढ़ एनडीए को हिला दिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार रक्षात्मक मुद्रा में आ गई है।

लड़ाई को एक क़दम आगे बढ़ाते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 27 दिसंबर को कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जहाजपुर में निजी स्कूल बस का स्टेयरिंग फेल, छह बच्चे व ड्राइवर घायल

बस में दर्जनों स्कूली बच्चे सवार थे, गनीमत रही कि बड़ा हादसा होते-होते टल गया

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर स्कूल प्रशासन और स्थानीय प्रशासन की गंभीर लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। ज्ञानदीप स्कूल की एक बस स्टेयरिंग फेल होने से अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। बस में दर्जनों स्कूली बच्चे सवार थे, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होते-होते टल गया, अन्यथा कई मासूम जिंदगियों पर संकट आ सकता था।

जानकारी के अनुसार ज्ञानदीप स्कूल की बस जहाजपुर से सरसिया की ओर बच्चों को छोड़ने जा रही थी। सरसिया रोड पर नागोला के पास अचानक बस का स्टेयरिंग फेल हो गया, जिससे बस असंतुलित होकर सड़क से नीचे उतर गई। घटना में ड्राइवर सहित छह बच्चे घायल हो गए। सूचना मिलते ही जहाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से बच्चों को बस से बाहर निकाला गया। घायल दो बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां आरबी मीणा व ऋषिराज को मामूली

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

चोटें आने की पुष्टि हुई है। घटना को लेकर पूर्व सरपंच खेमराज मीणा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि करीब डेढ़ महीने पहले ही हमने उपखंड अधिकारी को इस बस की हालत को लेकर चेताया था, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। वहीं घटनास्थल पर मौजूद महिला अभिभावकों का कहना है कि बच्चे खुद भी इस बस में बैठने से मना कर चुके थे, लेकिन स्कूल प्रशासन की हठधर्मिता के चलते मजबूरी में बच्चों को इसी जर्जर बस से भेजा जाता रहा। अभिभावकों ने बताया कि 40 सीटर बस में रोजाना करीब 65 बच्चों को ठूंस-ठूंस कर बैठाया जाता था। बस में आए दिन कभी ब्रेक फेल होते थे, कभी स्टेयरिंग जवाब दे जाती थी, तो कभी टायर निकल जाता था। इस संबंध में कई बार स्कूल प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन न तो स्कूल प्रबंधन और न ही स्थानीय प्रशासन ने कोई कार्रवाई की।

- **बच्चे खुद भी इस बस में बैठने से मना कर चुके थे, लेकिन स्कूल प्रशासन की हठधर्मिता के चलते मजबूरी में बच्चों को इसी जर्जर बस से भेजा जाता रहा**
- **अभिभावकों ने बताया कि 40 सीटर बस में रोजाना करीब 65 बच्चों को बैठाया जाता था, बस में आए दिन ब्रेक फेल होते थे**

शराब के ठेके पर हमला करने के आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शराब के ठेके पर पेट्रोल बम से हमला करने और सेल्समैन को पीटने के मामले में 11 महीनों से फरार चल रहे दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई लूणी थाना पुलिस द्वारा की गई है। अब तक पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

आरोपियों ने जनवरी 2025 में खेजड़ली स्थित एक शराब की दुकान पर हमला किया था, जिसमें उन्होंने पेट्रोल बम का इस्तेमाल किया था। इस हमले में दुकान का सेल्समैन घायल हो गया था। घटना के बाद से ही आरोपी फरार थे और पुलिस को चकमा दे रहे थे। थाने में 12 जनवरी 2025 को दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि खेजड़ली में महेश के पास सरकारी शराब की दुकान है। 11 जनवरी की रात वह सहयोगी देवीसिंह के साथ दुकान के पास खाना बना रहा था, तभी एक स्विफ्ट कार में सवार तीन युवक शराब मांगने आए। शराब देने से इनकार करने पर आरोपी भड़क गए और मारपीट करते हुए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और मौके से चले गए। रिपोर्ट में बताया गया कि करीब एक घंटे बाद तीनों आरोपी वापस लौटे। इस दौरान दुकान के अंदर सो रहे सेल्समैन पर हमला करते हुए आरोपियों ने बीयर की बोतलों में पेट्रोल भरकर पेट्रोल बम बनाए और दुकान को आग लगाने का प्रयास किया। दो पेट्रोल बम दुकान पर फेंककर आरोपी फरार हो गए। पीड़ितों ने किसी तरह पानी से आग बुझाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

पुलिस थाने में मामला दर्ज होने पर थानाधिकारी डॉ. हनवन्त सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में एक आरोपी नैनाराम निवासी खेजड़ली को गिरफ्तार किया था। वहीं, दो आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। अब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अनिल (27) और भूपेन्द्र सियाग उर्फ भजनलाल (27) निवासी बिरामी, जोधपुर को अब गिरफ्तार किया है।

- **अब तक पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है**

नरेश मीणा पर कुछ लोगों ने हमला किया, आठ हिरासत में

अंता, (निसं)। अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आकेडी में शनिवार को अंता विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। नरेश मीणा के समर्थकों ने आरोप लगाया कि हमला विधायक प्रमोद जैन भाया के समर्थक माने जाने वाले पूर्व सरपंच तोलाराम के बेटे और अन्य लोगों ने किया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया। सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। नरेश मीणा आखेडी गांव में एक परिचित के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त कर लौट रहे थे। इसी दौरान उन पर हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया, जिससे उनकी गाड़ी के शीशे टूट गए। हमले के बाद नरेश मीणा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो जारी कर पुलिस प्रशासन से तत्काल कठोर कार्रवाई की अपील की। घटना की सूचना मिलते ही नरेश मीणा के समर्थक बड़ी संख्या में ग्राम आकेडी पहुंच गए। समर्थकों ने हमलावरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की और इस हमले के पीछे रचे गए षड्यंत्र को भी बेनकाब करने की मांग की।

नरेश मीणा पर हमले के मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 8 लोगों को डिटेन किया है। नरेश मीणा घटनास्थल से एसपी ऑफिस पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी पहुंच गए। नरेश मीणा समर्थकों के साथ एसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठे हैं और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना के बाद डीएसपी हरिराम सोनी समेत अन्य अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एहतियातन गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

- **समर्थकों ने आरोप लगाया कि हमला विधायक प्रमोद जैन भाया के समर्थक माने जाने वाले पूर्व सरपंच तोलाराम के बेटे और अन्य लोगों ने किया है**
- **घटना के बाद डीएसपी हरिराम सोनी समेत अन्य अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, एहतियातन गांव में पुलिस बल तैनात किया**

बांध में डूबने से वृद्ध की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। मेजा बांध का जल स्तर देखने पहुंचे एक वृद्ध की पैर फिसलने से पानी में गिरकर डूबने से मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है।

परिजनों द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार बापू नगर भीलवाड़ा निवासी नरेंद्र (67) पुत्र ओंकार लाल जैन सुबह घर से मेजा बांध जाने की बात कहकर निकले थे। मेजा बांध पहुंचने के बाद उन्होंने परिजनों को फोन कर बताया कि वे बांध पर पहुंच गए हैं और थोड़ी देर में वापस लौट आएंगे। इसके बाद काफी समय तक उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया और मोबाइल भी बंद आने लगा। इस पर परिजन स्वयं मेजा बांध पहुंचे, जहां पानी में उनका शव तैरता हुआ मिला। सूचना मिलने पर मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एनडीआरएफ के जवानों की सहायता से शव को पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को उप जिला अस्पताल पहुंचाकर पोस्टमार्टम कराया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

814वां सालाना उर्स : ख्वाजा साहब की मजार से संदल उतारा

अजमेर, (निसं)। सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें सालाना उर्स की तैयारियों के तहत शनिवार देर रात दरगाह शरीफ में पारंपरिक रस्म अदा करते हुए मजार शरीफ से संदल उतारा गया। दरगाह के खिदमतगार खादिमों ने पूरी अकीदत के साथ यह रस्म निभाई। उतारे गए संदल को आम जायरीन में तकसीम किया किया गया, मान्यता है कि मजार शरीफ से उतारे गए संदल में रूहानी असर होता है और इससे बीमारियों से शिफा मिलती है।

दरगाह खादिम सैयद फजले अमीन चिश्ती ने बताया कि रजब माह का चांद दिखाई देने के साथ ही उर्स की विधिवत शुरुआत होगी। यदि चांद रविवार को नजर आता है तो उर्स 21 दिसंबर से प्रारंभ होगा, अन्यथा 22 दिसंबर से धार्मिक रस्में शुरू होंगी। उर्स से ठीक पूर्व शनिवार को मजार शरीफ से वर्षभर चढ़ाए गए संदल को उतारने की परंपरा निभाई गई। खादिम कुतुबुद्दीन सखी ने बताया कि मजार शरीफ पर चढ़ाया गया संदल वर्षभर एकत्रित होता रहता है, जिसे उर्स से पहले उतारकर जायरीन में वितरित किया जाता है। दूर-दराज से आने वाले जायरीन इस संदल को पाने के लिए विशेष आस्था रखते हैं। मान्यता है कि इसे पानी में घोलकर सेवन करने से असाध्य रोगों में भी राहत मिलती है। खादिम अपने पास भी संदल सुरक्षित रखते हैं, जिसे आवश्यकता पड़ने पर जायरीन को दिया जाता है।

आम जायरीन के लिए जन्नती दरवाजा खोला गया :-साल में चार बार खुलने वाला जन्नती दरवाजा अलसुबह चार बजे आम जायरीन के लिए खोल दिया गया। जन्नती दरवाजे से जियारत करने के लिए रात से ही लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। धार्मिक मान्यता के अनुसार जन्नती दरवाजे से होकर ख्वाजा साहब की जियारत करने वाले को जन्नत नसीब होती है। चांद नजर नहीं आने की स्थिति में एक जनवरी की रात दरवाजा बंद कर दिया जाएगा, जिसे दो जनवरी सुबह पुनः खोला जाएगा।

उर्स शुरू होने का पैगाम लेकर महरौली से पैदल छड़ी लेकर चला कलंदरों का जत्था शनिवार को अजमेर की सीमा में प्रवेश कर गया। जत्थे में एक हजार से अधिक कलंदर और मलंग शामिल हैं। रविवार को यह जत्था दरगाह शरीफ में छड़ी पेश करने की रस्म अदा करेगा। सर्वधर्म एकता समिति के अध्यक्ष एवं खादिम सैयद खुश्तर चिश्ती ने बताया कि गेगल पहुंचने पर कलंदरों का भव्य स्वागत किया गया। उनके ठहराव, भोजन, चिकित्सा सुविधा और कव्वाली का व्यापक प्रबंध किया गया है। रविवार शाम छड़ी पेश करने के दौरान कलंदर हैरतअंगेज करतब भी प्रस्तुत करेंगे।

घायल की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के शताब्दी सर्कल के पास किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक अधेड़ घायल हो गया जिसने बाद में इलाज के बीच मौत हो गई। कुड़ी थाना पुलिस ने बताया कि कमला नेहरू कॉलोनी, न्यू पावर हाऊस रोड क्षेत्र में रहने वाले कपिल पंवार ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके पिता गंगाविशन सरगरा 12 दिसंबर को बाइक लेकर शताब्दी सर्किल रोड से निकल रहे थे।

उदयपुर में कार से कुचलकर युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गुरुवार रात एक कार एक्सीडेंट में स्कूटी सवार की मौत हो गई। बाद में सामने आया कि ये एक्सीडेंट नहीं हत्या थी। इस मामले में मृतक आरव के समाज के लोग शनिवार को उदयपुर की सड़कों पर उतरे और आक्रोश जाहिर किया। लोगों ने मांग की कि आरोपियों के घर बुलडोजर से तोड़े जाए। कलैक्टरी के बाहर से लेकर अस्पताल में प्रदर्शन किया।

उदयपुर एसपी योगेश गोयल शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि भंवरलाल गारू निवासी मल्लातलाई ने थाने में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि पुलिस ने प्राथमिक जांच में पाया कि मामला एक्सीडेंट का नहीं होकर हत्या का लग रहा है। एसपी ने बताया कि रेलवे स्टेशन के पास तलाशी के दौरान पुलिस जाब्ता देखकर कार साइड में खड़ी कर आरोपी दीवार फांदकर भागने लगे। तब वे गिर गए जिससे इनके हाथ-पैर में चोट लगी है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी सोहेल उर्फ टेनी निवासी बलीचा ओमबन्ना मंदिर के पास, मोहसीन निवासी खांजीपीर और सोहेल निवासी अंजुमन हाल गोसिया कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोहेल उर्फ टेनी गोवर्धन विलास थाने का हिस्ट्रीशीटर है। इसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में डकैती की योजनाए हत्या और मारपीट के करीब आधा दर्जन केस दर्ज हैं। मामले की जांच डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ को सौंपी। आरोपियों से पूछताछ में पता लगा कि बलीचा क्षेत्र में तीनों आरोपियों की घायल हिमांशु और मृतक आरव से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद आरोपियों ने उनकी स्कूटी का पीछा करना शुरू कर दिया था। हत्या करने की नीयत से उन्होंने रास्ते में स्कूटी को कई बार टक्कर मारने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। मोगरावाडी में मौका पाते ही टक्कर मार दी और फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर में अज्ञात वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी थी। इससे मल्लातलाई निवासी आरव खोखर की मौत हो गई थी। बाद में पता चला कि यह हादसा नहीं था बल्कि हत्या थी। इस मामले में शनिवार को बड़ी संख्या में समाज के लोग मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए। प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई, मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी। प्रदर्शन के दौरान परिजनों और समाजजन ने प्रशासन के समक्ष स्पष्ट किया कि जब तक कोई बड़ा अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर उनकी मांगों पर सहमति जताते हुए लिखित में नहीं देते तब तक मोर्चरी से शव नहीं उठाया जाएगा।

वहीं मौके पर पहुंचे गिर्वा तहसीलदार श्याम सिंह चारण ने कहा कि परिजनों के प्रतिनिधि और प्रशासन के बीच शुक्रवार को ही सहमति बन गई थी। शव का पंचनामा कल बन गया था। समाजजनों ने आज फिर से कुछ मांगे रखी है। समाज के कपिल राठौड़ ने बताया कि शुक्रवार को इस घटना की समाज के कम लोगों को जानकारी थी। आज सबको जानकारी मिली तो एकत्रित हुए। सभी ने सरकार से मांग की है कि आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाया जाए। लिखित में मृतक के परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने के साथ ही एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए।

उल्लेखनीय है कि सूरजपोल थाना पुलिस क्षेत्र में गुरुवार रात को आरव खोखर व उसके साथी हिमांशु स्कूटी से किशनपोल से मल्लातलाई जा रहे थे। मोगरवाडी इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से आरव की मौत हो गई थी। आरोपियों की पीड़ित युवकों से इससे पहले कहासुनी हो गई थी।

- **परिजनों व लोगों ने अभियुक्तों के घर पर बुलडोजर चलाने और एक करोड़ मुआवजे की मांग की**
- **गुरुवार रात में कार एक्सीडेंट में स्कूटी सवार की मौत हो गई थी, बाद में सामने आया कि ये एक्सीडेंट नहीं, हत्या थी**

अपना घर आश्रम चौखा में दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के राजीव गांधी नगर थानान्तर्गत चौखा क्षेत्र में अपना घर आश्रम में रह रही दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत हो गई। इस बारे में पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि नारी अपना घर आश्रम चौखा के संचालक मुकेश जैन पुत्र ताराचंद जैन ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इनके अनुसार आश्रम में रहने वाली प्रभुजी रेणु उम्र करीब 70 वर्ष को 24 मई को पुलिस की सूचना पर आश्रम में भर्ती किया था जिसकी तबीयत खराब होने पर एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी उपचार के बीच मौत हो गई। वहीं जसोदा उम्र करीब 70 वर्ष जो 1 दिसंबर को रेलवे पुलिस जोधपुर की सूचना पर रेलवे स्टेशन से लाकर आश्रम में लाए। उनकी भी तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के बीच मौत हो गई।

- **दोनों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया था**

20 लाख की स्मैक सहित आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में नशे के विरुद्ध अंकुश लगाने हेतु चलाये गये अभियान के तहत थाना टोडारायसिंह पुलिस एवं जिला डीएसटी टीम ने टोडारायसिंह थाना इलाके में दबिश देकर आरोपी किशन लाल पुत्र गटिया उर्फ गट्टू सांसी निवासी रतवाई पुलिस थाना मोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 20 लाख रुपए कीमत की 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुसिल ने बताया कि आरोपी स्मैक खरीद-फरोख्त करता था, जिसके लिए वह इलेक्ट्रॉनिक कांटा इस्तेमाल करता था, जिसे भी जब्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

- **पुलिस ने आरोपी के पास इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी जब्त किया**

नाइजीरिया के प्रतिनिधिमंडल ने वाटरशेड क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली

राजगढ़ ब्लॉक में वाटरशेड के कार्यों को देखकर प्रतिनिधिमंडल ने प्रशंसा की

अलवर, (निसं)। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर), ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के सहयोग से वाटरशेड विकास में राजस्थान की पहलों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एनजी-केयर्स कार्यक्रम से जुड़े नाइजीरिया के 32 वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को अलवर जिले के वाटरशेड कार्यक्रमों का दौरा किया तथा जिला परिषद में आयोजित कार्यशाला में अभिनव पहलों के बारे में जानकारी ली। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल समावेशी, टिकाऊ और अनुकूल सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों पर अध्ययन हेतु दौरे पर है।

नाइजीरिया के प्रतिनिधिमंडल ने जिला परिषद में आयोजित कार्यशाला में जानकारी ली।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुंखे गौरव रवीन्द्र ने पीएमकेएसवाई वाटरशेड घटक, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान, जल संचय- जन भागीदारी (जेएसजेबी) अभियान की जानकारी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा की, इसके अलावा अतिरिक्त निदेशक निर्मला ने जिले में जल संरक्षण प्रयासों एवं सुशीला यादव ने इन कार्यक्रमों में वैज्ञानिक उपकरणों पर प्रस्तुति दी। प्रतिनिधिमंडल को वाटरशेड योजना, जल बजट और चार-जल अवधारणा के तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई जो राजस्थान के दृष्टिकोण की नींव है। जिला परिषद सीईओ ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल की यात्रा एकीकृत ग्रामीण विकास, जलवायु लचीलापन, वाटरशेड प्रबंधन और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के साथ पारदर्शी, प्रौद्योगिकी, सक्षम सेवा वितरण में अपने अनुभव को साझा करने की राजस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

प्रतिनिधियों ने राजगढ़ ब्लॉक के गांवों में बने चेक डेम, परकोलेशन टैंक, फार्म तालाबों जैसे ताला, लोसाल, घेवर, बीघोटा, नारायणपुर, सुलीबास के तहत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और एमजेएसकए के वाटरशेड घटक के तहत विभिन्न जल संचयन संरचनाओं का दौरा किया और ग्रामीणों के साथ बातचीत की कर उनके अनुभव जाने। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने राजस्थान के क्षेत्र-स्तरीय नवाचार, सामुदायिक भागीदारी मॉडल और ग्रामीण विकास में अभिसरण प्रयासों की प्रशंसा की।

जिला परिषद सीईओ ने वाटरशेड कार्यक्रमों के तहत प्रमुख उपलब्धियों में राज्य भर में 2.5 लाख जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, 16 जिलों में परियोजना क्षेत्रों में भूजल स्तर में औसत 4.66 फ़ीट की वृद्धि, 1 लाख हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को फसल भूमि में परिवर्तन, सिंचित क्षेत्र में 24.9त्न की वृद्धि और कुल फसल वाले क्षेत्र में 20.2त्न की वृद्धि तथा 63.64त्न निष्क्रिय हैंड पंपों का पुनरुद्धार और पानी के टैंकर ट्रिप में 56.13त्न की कमी शामिल है। इसके अतिरिक वैज्ञानिक योजना के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन ड्रोन डेटा (5 सेमी रिज़ॉल्यूशन) के साथ जीआईएस और रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकियों का उपयोग, एकीकृत मोबाइल और वेब अनुप्रयोगों के माध्यम से वास्तविक समय भू-टैग की निगरानी, एमजीएनआरईजीएस सहित कई विभागों और फंडिंग स्त्रोतों का अभिसरण, राज्य से ग्राम पंचायत स्तर तक मज़बूत संस्थागत तंत्र एवं नक़द और तरह के योगदान के रूप में प्राप्त 110 करोड़ रुपये के साथ सामुदायिक भागीदारी इत्यादि उपलब्धियां की जानकारी दी।

- **प्रतिनिधिमंडल को वाटरशेड के क्षेत्र में उपलब्धियों से रूबरू करवाया**

अज्ञात लोगों ने वृद्धा की चाय की स्टॉल में आग लगाई

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के उद्योग नगर थाना इलाके में देर रात अज्ञात लोगों ने एक बुजुर्ग महिला की चाय की स्टॉल में आग लगा दी। सुबह जब महिला दुकान खोलने पहुंची तो पूरी स्टॉल राख में बदल चुकी थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने आपस में पैसे इकट्ठे किए और आर्थिक सहायता दी।

घटना उद्योग नगर थाना क्षेत्र में रीको स्थित आईटीआई कॉलेज के पास की है। भवनपुरा गांव निवासी बुजुर्ग महिला यहां रोजाना चाय की छोटी स्टॉल लगाकर अपना गुजारा करती थी। रोज की तरह महिला शाम को स्टॉल बंद कर घर चली गई थी, लेकिन देर रात किसी ने उसकी लकड़ी की स्टॉल में आग लगा दी। सुबह जब बुजुर्ग महिला रोज की तरह स्टॉल खोलने पहुंची तो वहां जली हुई लकड़ियां और राख पड़ी मिली। पूरी स्टॉल और अंदर रखा सामान जल चुका था। यह दृश्य देखकर महिला खुद को संभाल नहीं पाई और वहीं रोने लगी। स्थानीय निवासी रवि फौजदार ने बताया कि स्टॉल में चाय बनाने का पूरा सामान, बर्तन, बिस्किट पैकेट, नमकीन और अन्य खाद्य सामग्री रखी थी। आग में सब कुछ जल गया, जिससे महिला को करीब 15 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। महिला को रोते देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। उसकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए लोगों ने आपस में पैसे इकट्ठे किए और बुजुर्ग महिला को आर्थिक सहायता दी, ताकि वह दोबारा अपनी चाय की स्टॉल शुरू कर सके। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि स्टॉल में आग किसने और क्यों लगाई।

- **सुबह जब महिला दुकान खोलने पहुंची तो पूरी स्टॉल राख में बदल चुकी थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने आपस में पैसे इकट्ठे किए और आर्थिक सहायता दी**

जैसलमेर महिला कॉलेज में फीस बढ़ाने का स्टूडेंट्स ने किया विरोध

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर के मिश्रीलाल सावल राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को फीस बढ़ोतरी के विरोध में स्टूडेंट्स ने प्रदर्शन किया। छात्र प्रतिनिधि दिव्या सैनी के नेतृत्व में स्टूडेंट्स ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर करीब 3 घंटे तक तालाबंदी कर विरोध जताया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। स्टूडेंट्स ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय कुलपति, महाविद्यालय प्राचार्य के नाम ज्ञापन सौंपकर बढ़ी हुई फीस को तुरंत वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही दिव्या सैनी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा हर सेमेस्टर में परीक्षा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी की जा रही है। एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष भोमसिंह भणियाणा भी छात्राओं के समर्थन में पहुंचे। छात्राओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही फीस कटौती पर फैसला नहीं लिया गया, तो छात्र शक्ति मजबूरन भूख हड़ताल पर बैठेगी। प्रदर्शन को देखते हुए कॉलेज प्राचार्य ने छात्राओं से वार्ता की। उन्होंने आश्वासन दिया कि छात्राओं की मांगों से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है और जल्द ही छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लिया जाएगा। किरण, संतोष, वसुंधरा, पुष्पा, लीला, मंजू, संजना, भूमिका, गायत्री, ईशू, पायल, कविता, लक्ष्मी, विद्या, दीक्षा, मेनका बामनिया आदि उपस्थित रही।

मांडलगढ़ और बांसवाड़ा जिले के दौरे पर रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण समस्या समाधान शिविरों का अवलोकन किया

बांसवाड़ा//मांडलगढ़/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को भीलवाड़ा के मांडलगढ़ और बांसवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। मांडलगढ़ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन और जनसभा को संबोधित किया। वहीं सीएम ने बांसवाड़ा जिले की तेजपुर ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन किया और गतिविधियों की जानकारी ली।

मांडलगढ़ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में जनकल्याण और विकास की ऐसी मजबूत नींव तैयार की है, जिसका लक्ष्य राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरान भीलवाड़ा में 322 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 30 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इनमें से 22 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के जीएसएस, स्वास्थ्य केंद्र, लैब, विद्यालय, महाविद्यालय और उप तहसील कार्यालय से जुड़े विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया है। वहीं, 300 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों की नींव रखी गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर लाभार्थियों को जनकल्याणकारी योजनाओं के चेक एवं दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की। मुख्यमंत्री ने मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 वर्षों में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल और विधायक श्रीचंद कृपलानी, गोपाल लाल शर्मा, गोपीचन्द मीणा, उदयलाल भडाणा, जब्बर सिंह सांखला, लालाराम बैरवा, अशोक कुमार कोठारी, लादूलाल पितलिया सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भीलवाड़ा में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा में लाभार्थियों को योजनाओं के प्रमाण पत्र सौंपे : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा जिले की तेजपुर ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन किया और गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का अवलोकन कर अधिकारियों एवं कार्मिकों के कार्यों को देखा। उन्होंने कार्मिकों से बातचीत कर शिविर में आमजन की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया और प्राप्त उपलब्धियों की भी जानकारी ली।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा कर राज्य सरकार की योजनाओं एवं

- सीएम ने भीलवाड़ा में 322 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यो का शिलान्यास और लोकार्पण किया

कार्यक्रमों का फीडबैक लिया तथा उनकी समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तृत बातचीत की। शर्मा ने शिविर में विभिन्न समस्याओं के समाधान से संबंधित प्रमाण पत्र ग्रामीणों को सौंपे।

उन्होंने दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्राईसाइकिल का वितरण किया। उन्होंने शिविर में दस्तावेज शुद्धिकरण से संबंधित प्रमाण पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण समस्या समाधान शिविर में एक लाभार्थी परिवार कोभूमि संबंधी सहमति विभाजन का दस्तावेज सौंपा। सीएम शर्मा ने शिविर में ही नन्हीं बालिका का अन्नप्राशन संस्कार भी करवाया। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीणा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पेड़ों को अवैध रूप से कटवाने वाला आरोपी केरल से गिरफ्तार

800 बीघा में फैले पिला मंगरा जंगल के विलायती बबूल के पेड़ों को अवैध रूप से कटवाने का मामला

शाहपुरा, (निसं)। पुलिस थाना शाहपुरा द्वारा 800 बीघा में फैले पिला मंगरा जंगल के विलायती बबूल के पेडों को अवैध रूप से कटवाने वाला मास्टरमाईण्ड ईनामी आरोपी पीर मोहम्मद को केरल राज्य की राजधानी तिरुवनन्तपुरम से गिरफ्तार किया। भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का ईनाम घोषित कर रखा था।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिह भीलवाड़ा के निर्देशानुसार जिले में अवैध रूप से जंगलों में पेड़ों की कटाई करने वाले अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में ओमप्रकाश वृत्ताधिकारी के सुपरवीजन में सुरेश चंद्र पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी, शाहपुरा के नेतृत्व मे टीम गठित की गयी।

मामले के अनुसार आबीद खां

- भीलवाड़ा एसपी ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का ईनाम घोषित कर रखा था

कायमखानी पिता अयूब कायमखानी निवासी माण्डल गेट बनेड़ा हाल सहायक वनपाल शाहपुरा ने एक रिपोर्ट पेश कि की 5 नवम्बर को कार्यालय ऑफिस नाका शाहपुरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बोरड़ा बावरियान के घास बीड पीला मगरा में अवैध रूप से विलायती बबूल को जेसीबी द्वारा ठूठ सहित निकालने की सूचना मिलते ही वनपाल नाका प्रभारी शाहपुरा विश्राम मीणा के फोन करने पर मैं ढिकोला नाके से रवाना होकर मौके पर पहुंचा। उसके उपरांत हमारे स्टाफ द्वारा लगभग 15 जेसीबी को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन जबरन स्टाफ से झगड़ा व मारपीट करते हुये जेसीबी को घास बीड़ पीला मगरा से भगाकर ले गये।

मौके पर मुख्य आरोपी पीर मोहम्मद पुत्र अब्दुल पठान निवासी बैरवा मोहल्ला खातनखेड़ी के रूप में पहचान की गयी जो कि काले कलर की स्कॉर्पियो में इनके अन्य साथी दूसरी गाड़ी में सवार थे। इन्होंने स्टाफ के साथ जबरन धक्का मुक्की कर गाड़ी में बैठकर भाग गये। मौके पर बीड़ पीला मगरा में अवैध रूप से कटान का नुकसान 8-10 हैक्टेयर में उक्त आरोपियों द्वारा कर दिया गया है, विभिन्न एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारम्भ की। एक टीम द्वारा गठन किया गया और मुख्य आरोपी पीर मोहम्मद की तलाश की गई। टीम ने अथक प्रयास कर आरोपी को त्रिवन्तपुरम, केरल से डिटेन किया जाकर गिरफ्तार किया।

राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर

मेड़ता सिटी में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन की तैयारियों को लेकर प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल एवं आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया।

जयपुर/मेड़ता सिटी। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 23 दिसंबर को नागौर जिले की मेड़ता सिटी में आयोजित होने वाले एक दिवसीय राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन उन्नत खेती-समृद्ध किसान की तैयारियों को लेकर प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल एवं आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल ने शनिवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंजू राजपाल ने कहा कि राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि

- प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

यंत्रों तथा राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि और खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले में किसानों की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, पार्किंग, चिकित्सा सेवाएं एवं यातायात व्यवस्था सुचारू एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उल्लेखनीय है कि 23 दिसंबर को आयोजित इस किसान सम्मेलन में राज्यभर से लगभग 25 हजार किसान भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान कृषि एवं उद्यानिकी, सहकारिता, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, गोपालन और कृषि विपणन से संबंधित प्रदर्शनी, नवाचारों का प्रदर्शन तथा विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जिससे किसान आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की दिशा में प्रेरित हो सकें। निरीक्षण के समय संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्हें आयोजन को सफल बनाने हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

उदयपुर में आबादी क्षेत्र में फिर दिखा लेपर्ड का मूवमेंट, लोगों में दहशत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में दो दिन पहले गुरुवार को एक घर में घुसे लेपर्ड को रेस्क्यू किया गया था, लेकिन अब नदी के दूसरी तरफ और आसपास की कॉलोनियों में भी लेपर्ड की हलचल देखी जा रही है। महज 18 घंटों के अंदर अलग-अलग जगहों पर लेपर्ड के नजर आने से इन इलाकों में रहने वाले लोग भयभीत हैं।

जानकारी के अनुसार दो दिन पहले भूपालपुरा की कृष्णपुरा कॉलोनी में एक लेपर्ड घुस आया था, जिसे घर से निकालकर रेस्क्यू किया गया, लेकिन उसके ठीक बाद अब समीपवर्ती अशोक नगर की पॉश कॉलोनी की मुख्य सड़क पर और सौ फीट रोड से सटे न्यू भूपालपुरा में लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया। जानकारी के अनुसार अशोक नगर की रोड 10 पर 18 दिसंबर की रात 1 बजकर 57 मिनट पर एक लेपर्ड वहां से गुजरा जो सीसीटीवी में कैद हो गया। उस समय गली के श्वान

- महज 18 घंटों में अलग-अलग जगहों पर लेपर्ड दिखाई दिये, वन विभाग को सूचना दी

भी शोर मचा रहे थे। अशोक नगर बाशिंदों ने बताया कि रात को उनके घर के बाहर की सड़क पर कुत्तों का शोर सुनाई दिया। आमतौर पर ऐसा नहीं होता इसलिए उनका शक हुआ। सुबह उन्होंने घर के सीसीटीवी फुटेज को उसी समय में चेक किया जब शोर हुआ था।

उन्होंने बताया कि सामने की सड़क पर साफ-साफ लेपर्ड नजर आ रहा था जिसे देखकर कुत्ते भौंक रहे थे। लेपर्ड थोड़ा आगे बढ़ा फिर मुड़कर वापस चला गया। दूसरा लेपर्ड न्यू भूपालपुरा में होटल के करीब शुक्रवार शाम साढे सात बजे सौ फीट मुख्य सड़क पर एक होटल के पीछे वाली कॉलोनी में देखा गया।वहां खेतों के साथ-साथ घर भी बने हैं और घनी आबादी है। पूर्व पार्षद नानालाल वया ने बताया कि हिम्मत माली ने सबसे पहले लेपर्ड को देखा और जोर से शोर मचाया। बाद में वन विभाग को सूचना दी गई तो रात में टीम मौके पर पहुंची। लोगों के साथ मिलकर टीम ने पूरे इलाके की तलाशी ली लेकिन लेपर्ड कहीं नहीं मिला। सुरक्षा के लिए हथियारों से लैस होकर टॉर्च की रोशनी में कई जगहों पर खोजबीन की गई पर कोई सुराग नहीं लगा। सूचना मिलते ही सुखेर पुलिस का जाब्ता भी वहां पहुंचा। असल में दो दिन पहले कृष्णपुरा में जो लेपर्ड आया, उसके पीछे ही आयड नदी है। शुक्रवार रात को आयड नदी के इस किनारे वाली कॉलोनी में लेपर्ड देखा गया। अशोक नगर की कॉलोनी कृष्णपुरा के नजदीक ही है।

सहायक उपनिरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जोधपुर ग्रामीण टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच पालम विहार गुरुग्राम (हरियाणा) के सहायक पुलिस उप निरीक्षक प्रवीण को परिवादी से तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की जोधपुर ग्रामीण टीम के परिवादी ने शिकायत दी कि क्राइम ब्रांच पालम विहार गुरूग्राम (हरियाणा) का सहायक पुलिस उप निरीक्षक प्रवीण उसके मामा के खिलाफ पुलिस थाना सदर जिला गुरुग्राम हरियाणा में दर्ज प्रकरण में पुलिस रिमांड में परेशान नहीं करने व मदद करने के बदले में तीन लाख रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है, जिस पर एसीबी जोधपुर ग्रामीण टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस

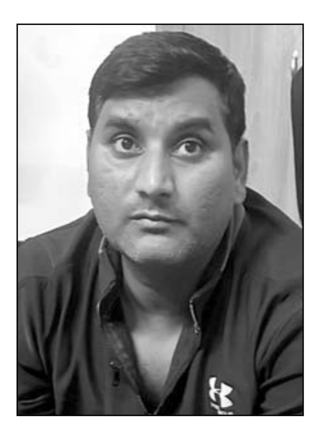

आरोपी सहायक पुलिस उप निरीक्षक प्रवीण।

सोनी के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस उप निरीक्षक प्रवीण को तीर लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

हादसे में घायल युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना क्षैत्र में रोडवेज बस की टक्कर से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिनों सड़क हादसे में घायल हुए सायरा थाना क्षैत्र चावड़ा बास निवासी हिमाराम पुत्र भूराराम गमेती की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। हिमाराम बाइक पर जा रहा था। इस दौरान रोडवेज बस ने उसे टक्कर मारदी थी। हादसे में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। हेडकांस्टेबल यशवन्त झाला ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

युवक की हत्या कर चितौड़गढ़ हाईवे पर गड्ढे में फेंका शव

- आवंली रोजड़ी का निवासी था मृतक युवक, पुलिस जांच में जुटी, एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाये

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम इलाके में चितौड़गढ़ हाईवे पर युवक पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या करने के बाद शव को एक गड्ढे में फेंक दिया। वहां से गुजर रहे लोगों की नजर गड्ढे में पड़े शव पर पड़ी तो लोगों ने इसकी सूचना आरकेपुरम् पुलिस को दी। आरकेपुरम् इलाके में हाईवे पर गड्ढे में शव पड़े होने की सूचना पाकर शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम, शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी सहित अन्य पुलिस अधिकारी व आरकेपुरम पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि चितौड़गढ़ हाईवे पर सर्विस लेन के पास एक गड्ढे में व्यक्ति के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना के बाद मौके पर एफएसएल टीम सहित अन्य टीमों को बुलाकर साक्ष्य जुटाये गये। एडिशनल एसपी ने बताया कि शव पर धारदार हथियार से हमले के निशान मिले हैं, प्रथम दृष्टा से माना जा रहा है कि युवक की हत्या कर उसके शव को गड्ढे में फेंक दिया गया। एडिशनल एसपी ने बताया कि मृतक की पहचान आंवली रोजड़ी निवासी करण सिंह के रूप में हुई है। मामले में सामने आया कि करण शुक्रवार को घर से निकला था, घर नही पहुंचने पर परिजनों ने तलाश किया, नहीं मिलने पर परिजन जब युवक की गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंचे तो परिजनों को सूचना मिली कि करण की बाईक चितौड़गढ़ हाईवे पर खड़ी है। परिजनों ने मौके पर पहुंचक मृतक की शिनाख्त करण सिंह के रूप में की। एडिशनल एसपी ने बताया कि मृतक कारीगरी का काम करता था और शुक्रवार को भी काम पर जाने के लिये घर से निकला था। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

युवक ने फांसी लगा आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। सूरजपोल थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। टीडी हॉल कैलाश कॉलोनी पारस सूरजपोल निवासी नरेश मीणा ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। नरेश शराब पीने का आदी था। आए दिन झगड़ा होने से दो दिन पूर्व उसकी पत्नी बच्चों को लेकर पीहर चली गई थी।

खड़े ट्रेलर से टकराया ट्रक, चालक की मौत

उदयपुर, (निसं)। गोवर्धन विलास हाईवे पर ट्रक खड़े ट्रेलर से जा टकराया। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात बाद में काया हाईवे पर अहमदाबाद से दिल्ली की तरफ जा रहा ट्रक बीच रास्ते में खड़े ट्रेलर से जा टकराया। हादसे में ट्रक चालक हर्ष विहार दिल्ली निवासी रविकरण पुत्र पूरणमल जाटव गंभीर घायल हो गया, जिसे एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। एएसआई कालूलाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

चोरों ने एक ही रात में चार दुकानों से लाखों का माल चुराया

पावटा, (निसं)। कस्बा स्थित सुभाष चौक मुख्य बाजार में बीती रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाते हुए एक साथ चार दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। लगातार हो रही चोरियों से बाजार में दहशत का माहौल है। वहीं पुलिस की गश्त व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से पावटा कस्बा स्थित सुभाष चौक मुख्य बाजार में शुक्रवार को अमावस्या की छुट्टी का फायदा उठाते हुए केदारमल गोविंदराम जनरल स्टोर से करीब दो लाख नकद, वस्त्र व्यापारी केशव कुमार कैलाश चंद निवासी छीतौली की दुकान से करीब 8500 रूपये नकद एवं वस्त्र व्यापारी उमाशंकर छीतरमल निवासी भौनावास की दुकान से गल्ले में रखे 5-7 हजार नकद व भारत ज्वैलर्स नारनौल वाले की दुकान से करीब चार लाख का माल जिसमें 1100 ग्राम चांदी, 800 ग्राम पुरानी चांदी, 3- 4 ग्राम पुराना सोना व 4200 रुपए नकद चुराकर फरार हो गए।

अज्ञात चोरों ने दुकानों के निर्माण कार्य के चलते दीवार के सहारे खड़ी सीढ़ी का उपयोग करते हुए दुकानों की

पावटा में चोरी के बाद दुकान में बिखरा सामान।

छत के सहारे पीछे के रास्ते से दुकानों के ताले तोड़कर नकदी व कीमती सामान पर हाथ साफ किया। सुबह जब दुकानदार बाजार पहुंचे तो टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाने का 10 मिनट का रास्ता होते हुए करीब 1 घंटे बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसके बाद थाना प्रभारी भजनाराम भी मौके पर पहुंचे जांच शुरू की। वहीं एमओबी टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि यदि नियमित गश्त होती तो इतनी बड़ी वारदात को रोका जा सकता था। व्यापारियों ने बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए रात में पुलिस गश्त बढ़ाने और जल्द खुलासा करने की मांग की है।

वहीं तीन लोगों द्वारा ज्वैलर्स की दुकान में घुसकर चोरी करने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिस पर भारत ज्वैलर्स मालिक नवीन सोनी ने कहा कि उन्होंने सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंप दिया हैं, अब यह

- तीन लोगों द्वारा ज्वैलर्स की दुकान में घुसकर चोरी करने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है
- चोरों ने दुकानों के निर्माण कार्य के चलते दीवार के सहारे खड़ी सीढ़ी का उपयोग करते हुए वारदात अंजाम दी

पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें। कस्बे के व्यापारियो ने इन घटनाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की तो वे विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। व्यवसायियों ने कहा कि वे अपने व्यवसाय को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। व्यवसायियों ने कहा कि पुलिस को रात के समय गश्त तेज करनी चाहिए एवं ऐसे इलाकों में निगरानी बढ़ानी चाहिए।

कोठड़ी गांव में दुकान में आग लगने से छह लाख के मोबाइल व सामान जला

टोंक, (निसं)। सोप थाना क्षेत्र के कोठड़ी गांव में शुक्रवार देर रात को मोबाइल की दुकान में आग लगने से करीब छह लाख रुपए के मोबाइल व अन्य सामान जल गए। पुलिस के अनुसार आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

उनियारा उपखण्ड स्थित सोप थाना क्षेत्र के कोटड़ी गांव में शुक्रवार

- शॉर्ट सर्किट से मोबाइल की दुकान में आग लगना बताया जा रहा है

रात्रि को एक मोबाइल दुकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। घटना में दुकान के भीतर रखे लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना गश्त के दौरान सोप थाना पुलिस ने दुकानदार को दी, जिसके बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणो व पुलिस की सहायता से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक करीब 6 लाख रुपए के मोबाइल व सामान जलकर राख हो गये। जानकारी के अनुसार दुकानदार शंकरलाल बैरवा जो लालसोट-दौसा मेगा हाईवे स्थित कोटड़ी चौराहा पर मोबाइल की दुकान करता है, जो अन्य दिनों की तरह शुक्रवार शाम दुकान बंद कर घर चला गया था, देर रात अचानक दुकान में शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। शनिवार सुबह दुकानदार के परिजन दुकान पर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित दुकानदार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

टेंकर व कंटेनर में भिड़ंत

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे पर कंटेनर व केमिकल से भरे टेंकर की भिड़ंत हो गई, जिससे में दोनों वाहनों में आग लग गई। शनिवार सांय टीडी थाना क्षेत्र बोरी कुआ हाईवे पर अनियंत्रित केमिकल से भरा टेंकर डिवाईडर पर चढ़कर कंटेनर से जा भिड़ा, जिसके चलते दोनों वाहनों में आग लग गई। सूचना मिलने पर टीडी थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह मय जाब्ता ने मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कर शुरू कर दोनों के चालक भीलवाड़ा निवासी नानालाल जाट एवं अलवर निवासी अख्तर को बाहर निकाल टीडी चिकित्सालय पहुंचाया।

कोटा में रेस्टोरेंट में आग लगा

आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा क्षेत्र के सेवन वंडर पार्क में स्थित एक रेस्टारेंट में शनिवार सुबह अचानक से आग लग गई। आग की लपटें उठती देख लोगों ने इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी, सूचना पाकर अग्निशमन विभाग की दमकल मौके पर पहुंचे और आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक रेस्टोरेंट में रखा काफी कीमती सामान जलकर खाक हो गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि सेवन वंडर स्थित लवली रेस्टोरेंट में आग की सूचना मिली। सूचना पर सब्जीमंडी फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ी को रवाना किया गया और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि रेस्टोरेंट के संचालक गोविन्द अग्रवाल है, प्रथम दृष्टा से आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट आ रहा है। वहीं दूसरी ओर जेके लॉन मातृ शिशु चिकित्सालय परिसर में लगे ट्रांसफार्मर से जुड़ी केबल में शॉर्ट सर्किट होने का मामला सामने आया। कर्मचारियों की सतर्कता के चलते समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। जेके लॉन अस्पताल अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा ने बताया कि ट्रांसफार्मर से जुड़ी केबल में आग लगने सूचना मिली थी, जिस पर मौजूदा कर्मचारियों ने आग बुझाने वाले संयंत्र को लेकर मौके पर पहुंचे और समय रहते तत्परता दिखाते हुये आग पर काबू पा लिया।

अजमेर विकास प्राधिकरण , अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आशीष कुमार माथुर पुत्र स्वर्गीय कृष्ण बिहारी लाल माथुर की ग्राम चौरसियावास के खसरा नंबर 1329,1332 भूखंड संख्या 6 में क्षेत्रफल 276 वर्ग गज के भूखंड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ती आमंत्रित की जाती है 7 अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के साथ दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जाएगी। -उपायुक्त (उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण , अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पवन कुमार की ग्राम लोहागल के पुराना खसरा नं. 1116 नया खसरा नं. 1036,1037 भूखण्ड संख्या 228 में क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ती आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के साथ दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जाएगी। -उपायुक्त (उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की हरीभाऊ उपाध्याय नगर, मुख्य योजना,अजमेर के आवासीय भूखण्ड संख्या सी–110 क्षेत्रफल 90.00 वर्ग मीटर के आवंटी/अन्तरिति (1) श्री प्रेम प्रकाश राणा उर्फ प्रेम प्रकाश चन्द राणा व (2) श्रीमती मंजरी राणा धर्मपत्नी श्री सुरेश्वर शैली सुपुत्री स्व. श्री प्रेम प्रकाश राणा उर्फ प्रेम प्रकाश चन्द राणा निवासीगण सी–110 हरीभाऊ उपाध्याय नगर, मुख्य योजना, अजमेर ने संयुक्त रूप से खरीद की थी। परन्तु श्री प्रेम प्रकाश राणा उर्फ प्रेम प्रकाश चन्द राणा की मृत्यु दिनांक 19/11/2017 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) श्रीमती उषा किरण राणा (2) श्रीमती मंजरी राणा द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती अंजली राणा धर्मपत्नी श्री ऋषी सेठी सुपुत्री श्री प्रेम प्रकाश राणा उर्फ प्रेम प्रकाश चन्द राणा के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 10/12/2025 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-योजना प्रभारी,अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

क्रमांक-न.पा.वि./भूमि/2025/5086 **लोक सूचना** दिनांक-16.12.2025

श्रीमती मंजू देवी पत्नी बाबूलाल भील निवासी लालावास तहसील मसूदा जिला ब्यावर (राजस्थान) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित्त भूमि का गैर–कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिवृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात–

जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा सं.	क्षेत्र
जिला ब्यावर तहसील बिजयनगर	बिजयनगर	967/47	0.0445 हैक्टर आवासीय प्रयोजनार्थ

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 70–क और राजस्थान अनिवृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिवृत्ति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गयी।

– प्राधिकारी अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

जवाहर रंगमंच के जीर्णोद्धार से फिर लौटेगी सांस्कृतिक रौनक

अजमेर, (कासं)। शहर के हृदय स्थल पर स्थित जवाहर रंगमंच के व्यापक जीर्णोद्धार के पश्चात शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इसका विधिवत शुभारम्भ किया। इसमें लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से किए गए नवीनीकरण कार्य में कार्पेट, स्टेज, साउंड, लाइट, वॉल सहित अन्य कार्य शमिल है। जवाहर रंगमंच एक बार फिर सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनने के लिए पूरी तरह तैयार हो गया है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को शुभारम्भ के अवसर पर कहा कि वर्ष 1997 में निर्मित जवाहर रंगमंच शहर की सांस्कृतिक पहचान रहा है। वर्ष 2010 के बाद लंबे समय तक इसका समुचित आधुनिकीकरण नहीं हुआ। अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होने के बाद यह रंगमंच नए स्वरूप में आमजन की सेवा के लिए समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि जवाहर रंगमंच के लिए 4 करोड़ 92 लाख 91 हजार रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई थी। इसके अंतर्गत 210 टन क्षमता का आधुनिक चिलर प्लांट एयर हैंडलिंग यूनिट के साथ स्थापित किया गया। ऑडिटोरियम में अकॉस्टिक वॉल पैनलिंग, स्टेज फ्लोरिंग, कार्पेटिंग, कुर्सियों की मरम्मत, फॉल्स सीलिंग, बाथरूम सैनिटरी व टाइल्स सहित व्यापक इंटीरियर कार्य किए गए।

इसमें स्टेज के लिए नई एफओएच बार, आरजीबी लाइट्स, मोटराइज्ड कर्टन, फ्रिल एवं विंग्स लगाए गए। साथ ही साउंड सिस्टम को उन्नत करते हुए नए स्पीकर, एम्पलीफायर एवं प्रोजेक्टर स्थापित किए गए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फायर सेफ्टी के लिए स्मोक डिटेक्टर, फायर पैनल, बीम डिटेक्टर एवं फायर पंप लगाए गए। लाइटिंग कार्यों में सीलिंग लाइट, डेकोरेटिव पोल, वायरिंग, ट्रांसफॉर्मर, केबल एवं आरएमयू का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि शहर के मध्य स्थित होने के कारण यह रंगमंच आमजन के लिए अत्यंत सुगम है। इससे यहां विभिन्न प्रकार के आयोजन सरलता से संपन्न किए जा सकेंगे।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांकः न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5535 **आम सूचना** दिनांकः 20/12/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम फरासिया खसरा 126 भूखण्ड संख्या 66 भूभाग व 65 भू भाग का कुल क्षेत्रफल 444.44 वर्गगज का आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति होतो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवसमें इस कार्यालय को लिखित में आपतियां / मय साक्ष्य / विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री महावीर प्रसाद भुतडा पुत्र श्री भागचन्द भुतडा निवसी इन्द्रा नगर विस्तार मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर।	फरासिया खसरा 126 444.44 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांकः न.प.कि/भूमि/2025/9795 **आम सूचना** दिनांकः 18/12/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री लक्ष्मी कान्त पारीक पुत्र श्री धनश्याम लाल निवासीः बिहारी पोल, नया शहर, किशनगढ़ ने स्टेट ग्रान्ट एक्ट के तहत् पट्टा चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो कि बिहारी पोल, नया शहर, किशनगढ़ स्थित भूखण्ड/परिसर कुल क्षेत्रफल 154.58 वर्गगज है जिसकी सीमाऐं निम्न प्रकार से है।

पूर्व में – 3.6 फिट का गली पश्चिम में – आम रास्ता

उत्तर में – आम रास्ता दक्षिण में – लीला कान्ता पारीक का मकान

उक्त सीमा मध्य स्थित स्टेट ग्रान्ट एक्ट के तहत् पट्टा जारी किये जाने में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो लिखित में सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में प्रस्तुत करे बाद–मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति/ ऐतराज मान्य नहीं होगा। अतः सूचित रहे। – प्रभारी अधिकारी, नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की वैशाली नगर आवासीय योजना भूखण्ड सं. एल–32 क्षेत्रफल 138.88 वर्ग गज की मूल आवंटी/अन्तरिति स्व. श्रीमती मनी पी. भूराणी पत्नी स्व. फगुनमल भूराणी, निवासी–एल–32,सागर विहार,वैशालीनगर, अजमेर की मृत्यु दिनांक 08.11.1995 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः शोभा गौड़, जवाहरलाल भूराणी, श्रीमती रशमी भूरणी एवं नेहा भूराणी द्वारा अपने सह–हिस्सेदार श्री जवाहरलाल भूरणी एवं श्रीमती रशमी भूराणी निवासीगण–एल–32, सागर विहार, वैशालीनगर,अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 16.12.2025 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-योजना प्रभारी,अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

सैटेलाइट अस्पताल में वाटर कूलर समर्पित

अजमेर, (कासं)। सामाजिक संस्था 'एक पहल सेवा' तथा शिव बाबा (ब्रह्माकुमारी संस्था) के सहयोग से सैटेलाइट अस्पताल, आदर्श नगर अजमेर में मरीजों, उनके परिजनों एवं आमजन की सुविधा के लिए एक वाटर कूलर सेवा में समर्पित किया गया। इस सेवा का उद्घाटन चिकित्सक राकेश पोरवाल द्वारा किया गया, जबकि फीता काटने का कार्य गुलाब सोनी ने किया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि 'एक पहल सेवा' वर्ष 2016 से ही अति निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों के लिए वस्त्र, पुस्तकें एवं राशन सामठी उपलब्ध कराने का कार्य निजी एवं सहयोग के स्तर पर निरंतर करती आ रही है।

शहरी समस्या समाधान शिविर से बढ़ा आमजन का भरोसा

अजमेर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार अजमेर विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में 16 दिसंबर से 24 दिसंबर तक आयोजित शहरी समस्या समाधान शिविर में समस्याओं के त्वरित निस्तारण से आमजन का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को शिविर के पांचवें दिन कुल 118 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। लगभग 200 नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविर में उपस्थित हुए। प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सहानुभूतिपूर्वक एवं सहयोगात्मक रवैये से समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर के माध्यम से आज कुल 127.29 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। निस्तारित प्रकरणों में कृषि भूमि पर बसी योजनाओं के 78 आवासीय पट्टे, प्राधिकरण योजनाओं के 8 पट्टे, बकाया लीज मुक्ति का 1 प्रकरण, निर्माण अवधि विस्तार के 4 प्रकरण, भवन मानचित्र के 4 प्रकरण एवं नामांतरण के 23 प्रकरण शामिल रहे। प्राधिकरण की नवीन आवासीय योजना श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर में आज 35 नए आवेदन प्राप्त हुए।

नाम परिवर्तन

पूर्व में मेरा नाम छोटा राम था जबकि आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम छोटू राम चौधरी अंकित है। जो की सही है। अब मुझे सभी उद्देश्यों के लिए छोटू राम चौधरी के नाम से जाना पहचाना जावें।

– छोटू राम चौधरी पुत्र पद्मा राम चौधरी, मुंसानिया बेरा बिल्लू तहसील मकराना जिला डीडवाना–कुचामन राजस्थान

सार-समाचार

जनता की सुविधा सर्वोपरि, विकास कार्य निरंतर : विधायक अनिता भदेल

अजमेर, (कासं)। दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने शनिवार को वार्ड संख्या 34 एवं 45 में कुल 63 लाख रुपये की लागत से होने वाले सीसी सडक़ों के निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा–अर्चना के साथ शिलान्यास किया। विधायक भदेल ने वार्ड संख्या 34 के अंतर्गत राजीव नगर क्षेत्र में मनोज नायक शकुन्तला सियाराम जनरल स्टोर तक 26 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सडक़ का शिलान्यास किया। वहीं, वार्ड संख्या 45 में सरकारी नल से देव वाटिका तक 37 लाख रुपये की लागत से सीसी सडक़ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भदेल ने कहा कि इन क्षेत्रों की सडक़ें लंबे समय से जर्जर अवस्था में थीं और विधानसभा चुनाव के दौरान क्षेत्रवासियों से किए गए वादे के अनुरूप आज इन कार्यों की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सडक़ निर्माण कार्य गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाएगा तथा पुराने स्तर को हटाकर नए सिरे से निर्माण किया जाएगा, ताकि आमजन को लंबे समय तक राहत मिल सके। विधायक भदेल ने कहा कि भाजपा सरकार का संकल्प है कि बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य कराए जाएं और आमजन को समय पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह जादौन, जिला महामंत्री राजेश घाटे, आदर्श मंडल अध्यक्ष हितेश डाबरिया, पार्षद महेंद्र राव सहित सोहन शर्मा, लक्ष्मीनारायण शर्मा, दिनेश जैन, मोहन लालवानी, कैलाश सांखला, भागचंद सांखला, संजय पंवार, राकेश, विजय, करण, अनिल पंवार, त्रिलोक सांखला, लेखराज, यादराम, भागचंद सेन, बबलू, आनन्दीलाल, गणपत, मधु भारद्वाज, संतोष, फूलवती सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गोठी विद्यालय का 28 वां वाषिकोत्सव

ब्यावर (निसं)। श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का 2 दिवसीय वार्षिक उत्सव का आगाज 19 दिसंबर को कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए वद्धर्मान गर्ल्स कॉलेज प्रांगण में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर कमलराम मीणा व समारोह अध्यक्ष जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह राठौड, शहर के गणमान्य अतिथिगण एवं श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति के अध्यक्ष सुनील खेतपालिया, मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, वद्धर्मान शिक्षण समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गण एवं शैक्षिणक निदेशक डॉ आर सी लोढा व विद्यालय के प्राचार्य धमेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया । तत्पश्चात अध्यक्ष सुनील खेतपालिया ने माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेट कर पधारे हुए मुख्य अतिथि व समारोह अध्यक्ष का अभिनन्दन किया।कार्यक्रम का आगाज रेट्रो रिदम थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम से किया गया ।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में 'एक विश्व, एक हृदय' कार्यक्रम आज

अजमेर, (कासं)। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित विश्व ध्यान दिवस (21 दिसंबर) के उपलक्ष्य में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में रविवार को सुबह 9 से 11 बजे तक 'एक विश्व, एक हृदय' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री सुरेंद्र सिंह रावत होंगे। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक अनिल सांवरिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. पार्थ सिंह मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विकास सक्सेना ने बताया कि तनाव, चिंता, निराशा और अवसाद से मुक्ति के लिए रिलैक्सेशन और ध्यान का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त डॉ. अनुराधा झा, अमित खंडेलवाल और नेहा कपूर के सत्र भी आयोजित होंगे।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद् कुचामन सिटी

Email : co.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com
फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :– न.प.कु./2025–26/5705 **लोक सूचना** दिनांक :– 16.12.2025

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर–कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :–

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्रीमती अनुसुया शेखावत पत्नी गिरवरसिंह, श्री अभिमन्यू सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, श्रीमती गीता देवी पत्नी लक्ष्मीनारायण, श्री तेजसिंह, मूलसिंह पुत्रान रतनसिंह, श्रीमती सुनर देवी पत्नी भंवरलाल, श्रीमती मोहनी देवी पत्नी केशाराम	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	पनवाड़ी	469/186	0.6268 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16.12.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद् कुचामन सिटी

Email : co.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com
फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :– न.प.कु./2025–26/5691 **लोक सूचना** दिनांक :– 16.12.2025

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर–कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :–

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्रीमती किरण कंवर पत्नी कानसिंह, श्रीमती चान्द कंवर पत्नी जयसिंह, श्री तेजसिंह पुत्र रतनसिंह, श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र जयसिंह, श्रीमती पन्नी देवी पत्नी हीराराम, श्री महेन्द्र सिंह पुत्र भेरूसिंह, श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र जय सिंह, श्री रोहिताशसिंह पुत्र जयसिंह, श्रीमती संजू देवी पत्नी गोविन्दराम, श्रीमती सुन्दर देवी पत्नी भंवरलाल	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	पनवाड़ी	327/158 640/165 405/327 641/404	0.0400 Hq. 0.6500 Hq. 0.0600 Hq. 0.0450 Hq.
2.	श्री कमल मूंड पुत्र मोहन राम मूंड जाति जाट, श्री राम कुमार पुत्र भंवर लाल जाति जाट	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	श्रवणपुरा	834/278	0.3236 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16.12.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने हालिया खराब प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी का भरोसा जताया। 2025 में, यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। -सूर्य कुमार यादव

भारतीय कप्तान, सूर्य कुमार यादव खराब प्रदर्शन पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▸ हार्दिक पांड्या

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के छक्कों में से एक छक्का कैमरामैन को लग गया। भारतीय स्टार ने उनके साथ एक भावुक पल साझा किया, जब उन्होंने उनसे माफी मांगी, उन्हें गले लगाया और दर्द कम करने के लिए बर्फ से सिकाई की। हार्दिक का बल्ला आग उगल रहा था और उन्होंने चौकों और छक्कों की झड़ी लगाकर गेंदबाजों को ध्वस्त कर दिया, जिसमें उनकी खास कुंग फू पांड्या वाली आक्रामकता और आत्मविश्वास झलक रहा था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने कई बार पाकिस्तान के खिलाफ 250 से अधिक बनाए हैं, मगर कभी भी पाकिस्तान की तरफ से जवाबी कार्रवाई देखने को नहीं मिली।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम का ऐलानःसूर्या कप्तान, ईशान की वापसी; शुभमन बाहर, अगरकर बोले- गिल रन नहीं बना पा रहे

मुंबई, 20 दिसम्बर। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। मुंबई के हेडक्वार्टर में शनिवार को सचिव देवजीत सैकिया ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी में स्क्वॉड की घोषणा की। टीम में अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि शुभमन गिल को टीम से बाहर कर दिया गया है। विकेटकीपर संजू सैमसन को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। इसके अलावा ईशान किशन और रिंकू सिंह को भी टीम में मौका मिला है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने कहा-

गिल इस समय रन नहीं बना पा रहे हैं। वह पिछले वर्ल्ड कप में भी नहीं खेले थे। हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं, शायद अभी थोड़े रन कम बना रहे हैं, उन्हें पिछले वर्ल्ड कप में भी मौका नहीं मिला था, यह दुर्भाग्यपूर्ण था। वहीं, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गिल का चयन न होने पर कहा। गिल को खराब फॉर्म की वजह से ड्रॉप नहीं किया गया गया है। ऐसा टीम कॉम्बिनेशन की वजह से हुआ है, हम टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर चाहते थे। उनकी काबिलियत पर कोई शक की बात नहीं है, वो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। टीम को रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर की भी जरूरत थी। यह टीम वर्ल्ड कप से पहले 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड मैच से होगी। इसी दिन भारत वानखेड़े स्टेडियम में से अपना पहला मैच खेलेगा। फाइनल 8 मार्च 2026 को खेला जाएगा। इसका वेन्यू बाद में तय होगा।

ऋषभ पंत को कप्तान बनाया

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। भारत के टेस्ट उप कप्तान ऋषभ पंत को24 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली टीम का कप्तान बनाया गया है जबकि दिग्गज विराट कोहली भी आगामी राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में दो मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पंत और कोहली के अलावा तेज गेंदबाज हर्षित राणा, अनुभवी इशांत शर्मा और नवदीप सैनी ने भी टूर्नामेंट में खेलने की इच्छा जताई है। हालांकि दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने पंत, कोहली और राणा के नाम 16 सदस्यीय सूची में शामिल नहीं किए हैं।

राष्ट्रीय गौरवः भारत की पहली 'बजाज पुणे ग्रैंड टूर ट्रॉफी' का जयपुर में अनावरण

टूर डी फ्रांस से प्रेरित, पुणे ग्रैंड टूर 2026 भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग रोड रेस की ऐतिहासिक शुरुआत

जयपुर, 20 दिसम्बर। भारत में पेशेवर साइक्लिंग के नए युग का प्रतीक, बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 की प्रतिष्ठित और विरासत-प्रेरित ट्रॉफी का आज जयपुर में भव्य अनावरण किया गया। यह गरिमामयी समारोह राजस्थान की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी तथा श्री जितेंद्र डूडी (आईएएस), कलेक्टर, पुणे जिला (रोड रेस का मेज़बान शहर) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री मदन राठौड़, सांसद, राजस्थान; डॉ. नीरज के. पवन (आईएएस), खेल सचिव, राजस्थान; श्री ओंकार सिंह, चेयरमैन, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया; तथा श्रीमती सरिका चौधरी, चेयरपर्सन, सेलेक्शन कमेटी, राजस्थान साइक्लिंग एसोसिएशन भी उपस्थित रहे। पुणे जिला प्रशासन द्वारा जितेंद्र डूडी (आईएएस) के नेतृत्व में तथा महाराष्ट्र सरकार के मजबूत सहयोग से आयोजित बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026, भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का साइक्लिंग रोड रेस आयोजन है। यह देश की पहली 2.2 श्रेणी की रोड रेस होगी, जिसमें विश्वभर से शीर्ष साइक्लिस्ट भारत की धरती पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। चुनौतीपूर्ण मार्गों और समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लिए पहचाना जाने वाला यह आयोजन पुणे और भारत को वैश्विक साइक्लिंग मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ट्रॉफी टूर के तहत पिंक सिटी जयपुर में ट्रॉफी का आगमन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो देश की सांस्कृतिक विरासत और विश्वस्तरीय खेल आयोजन क्षमता का सुंदर संगम प्रस्तुत करता है। पुणे की प्रसिद्ध 'तांबट आळी' कारीगर समुदाय द्वारा निर्मित यह ट्रॉफी, पुणे क्षेत्र के आठ ऐतिहासिक किलों और छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। इस ट्रॉफी ने साइक्लिंग प्रेमियों, खेल जगत और स्थानीय समुदाय के बीच खासा उत्साह पैदा किया है, साथ ही राष्ट्रीय खेल परिदृश्य में जयपुर की भूमिका को भी रेखांकित किया है।

इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने कहा,

यह देखकर प्रसन्नता होती है कि भारत नए खेलों को अपनाते हुए बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पुणे ग्रैंड टूर 2026 भारत की पहली वर्गीकृत साइक्लिंग रेस है, जो देश में पेशेवर साइक्लिंग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

जितेंद्र डूडी (आईएएस), कलेक्टर, पुणे जिला एवं रेस इंचार्ज, पुणे ग्रैंड टूर ने कहा, पुणे ग्रैंड टूर 2026 पिछले छह महीनों की सतत और लक्ष्य-आधारित मेहनत का परिणाम है। 2.2 श्रेणी अंतरराष्ट्रीय रोड साइक्लिंग की शुरुआती श्रेणी है, लेकिन हमारा लक्ष्य भारत को भविष्य में टूर डी फ्रांस की तर्ज पर प्रो रेस की मेज़बानी करने वाला देश बनाना है।

बजाज पुणे ग्रैंड टूर क्या है? भारत की पहली 2.2 रेसः पुणे ग्रैंड टूर, यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल ( ) द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय रोड साइक्लिंग रेस है। **संस्कृति और खेल का संगमः** 4 चरणों में आयोजित 437 किलोमीटर लंबी यह रेस किलों, पहाड़ियों और ठाामीण सौंदर्य के माध्यम से पुणे जिले की समृद्ध विरासत को दर्शाती है। **परंपरा से प्रेरित ट्रॉफीः** तांबट आळी के कारीगरों द्वारा निर्मित ट्रॉफी, क्षेत्र के आठ किलों और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का प्रतीक है।

वैश्विक साइक्लिंग का द्वारः यह आयोजन भारतीय युवाओं को प्रेरित करेगा और भारत को भविष्य की वैश्विक खेल शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। **जयपुर और भारत के लिए महत्वः** राष्ट्रीय गौरवः ट्रॉफी का जयपुर आगमन देश में मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है। **खेल पर्यटन को बढ़ावाः** यह आयोजन साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा और मेज़बान क्षेत्रों की ऐतिहासिक व प्राकृतिक सुंदरता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। भविष्य के ओलंपियनः पुणे ग्रैंड टूर को भविष्य में ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में विकसित किए जाने की संभावना है, जिससे भारतीय साइक्लिस्टों को वैश्विक मंच तक पहुंच मिलेगी।

विशेष ट्रॉफी डिज़ाइन - विरासत और प्रेरणा का प्रतीक

कुछ रचनाएं केवल आकार नहीं, बल्कि भावना और इतिहास भी संजोती हैं- पुणे ग्रैंड टूर ट्रॉफी ऐसी ही एक कृति है। यह मात्र तांबे से बनी वस्तु नहीं, बल्कि खेल की धड़कन, एथलीटों का संघर्ष और उस भूमि की स्मृति है, जहां से यह जन्म लेती है। ट्रॉफी की आकृति रेस मार्ग पर स्थित आठ किलों से प्रेरित है, जो रणनीति, साहस और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का प्रतीक हैं। इसका आठ-खंडीय स्वरूप और आठ-मुखी मुद्रा पुणे की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। ट्रॉफी के केंद्र में बना घूमता हुआ खोखला आकार एक वेलोड्रोम की अनुभूति कराता है-वह स्थान जहां साइक्लिस्ट अनुशासन, गति और निरंतर अभ्यास के माध्यम से खुद को गढ़ते हैं। पूरी तरह तांबे से निर्मित यह ट्रॉफी तांबट आळी के कारीगरों की पीढ़ियों पुरानी परंपरा को सम्मान देती है। 480 मिमी ऊंची यह ट्रॉफी अनगिनत हथौड़े की चोटों से आकार लेती है, जिनकी हर छाप उस साइक्लिस्ट की लय और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है, जो थकान के बावजूद आगे बढ़ता रहता है। यह ट्रॉफी वास्तव में दृढ़ता और निरंतरता की मूर्ति है।

विश्व स्तरीय भारतीय धावक तैयार करने के लिए ज्यादा प्रतियोगिताओं की आवश्यकता : रुपिंदर सिंह

नयी दिल्ली, 20 दिसंबर। विश्व स्तरीय भारतीय धावक तैयार करने के लिए अनुशासन के साथ लंबी दूरी की अधिक प्रतियोगिताओं की आवश्यकता है। भारत में लंबी दूरी की दौड़ का आयोजन बहुत कम होता है, जिसके बिना न तो प्रतिभा में निखार आता है और न ही हमारे एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वयं को साबित करने का आत्मविश्वास मिलता है।

इसके लिए भारतीय धावकों को विदेशो में होने वाली दौड़ों में अधिक से अधिक हिस्सा लेना चाहिए। देश में उद्योग घरानों द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ लोकप्रिय हो रही हैं। इन्होंने विदेशी धावकों पर भारी पैसा खर्च करके जरूरी रिसोर्स बर्बाद कर दिया हैं, और भारतीय धावकों के समर्थन के लिए लगभग कोई कदम नहीं उठाया गया है। ऐसी स्थिति में, यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि भारत का मैराथन रिकॉर्ड 1978 में बना था और 47 सालों से अभी तक टूटा नहीं है। जाने माने धावक शिवनाथ सिंह ने 1978 में जालंधर में 2:12:00 के समय के साथ नेशनल रिकॉर्ड बनाया था।

महिला वर्ग में, रिकॉर्ड ओपी जैशा ने 2015 विश्व चैंपियनशिप में 2:34:43 के समय के साथ बनाया था। अगर आप 5000 मीटर से आगे के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की सूची देखेंगे, तो पायेंगे कि सभी रिकार्ड विदेश में बने है। अपने रेसिंग करियर का एक बड़ा हिस्सा देश में बिताने के बाद, एथलीटों को एहसास होता है कि भारत में कोई उनकी परवाह नहीं करता। अगर वे बेहतर करना चाहते हैं, तो उन्हें विदेश में एक अच्छी दौड़ का चयन करना पड़ता है। इसका एक हालिया उदाहरण टी गोपी हैं, जिन्होंने सात दिसंबर को वालेंसिया मैराथन में शानदार 2:12:23 का समय निकाला। टी गोपी, शिवनाथ सिंह के बाद भारत के दूसरे सबसे तेज मैराथन धावक हैं। शिवनाथ को 1976 के मॉन्ट्रियल ओलंपिक में अपनी एक मैराथन के अलावा विदेश में प्रतिस्पर्धा करने का मौका नहीं मिला, जहां उन्होंने 2:16:22 का अच्छा समय निकालकर ग्यारहवें स्थान पर फिनिश किया था। इस ठहराव की स्थिति के लिए जिम्मेदारी केवल प्रतियोगिता आयोजकों की ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय फेडरेशन की भी है, जो घरेलू लंबी दूरी सर्किट का ढ ांचा बनाने में विफल रहा है। जो देश लगातार विश्व स्तरीय धावक पैदा करते हैं, वे यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके एथलीट उच्च गुणवत्ता वाली स्थितियों में, पेस सेटर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण सहायता और एलीट प्रतियोगिता के संपर्क में रहकर अक्सर प्रतिस्पर्धा करें। हालांकि, भारत में, लंबी दूरी के धावकों में से अधिकतर को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है।

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती

अहमदाबाद, 20 दिसम्बर। भारत ने आखिरी मैच में साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराकर पांच मैचों की टी-20 सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। चौथा टी-20 कोहरे की वजह से नहीं खेला जा सका था। शुक्रवार को मिली इस जीत के साथ टीम इंडिया ने लगातार आठवीं टी-20 सीरीज जीतने का कारनामा किया। भारत को आखिरी बार टी-20 सीरीज में हार अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी।

अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में भारत के 232 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। मुकाबले में हार्दिक पंड्या ने सिर्फ 16 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत के लिए दूसरी सबसे तेज टी-20 फिफ्टी लगाई। वहीं अभिषेक शर्मा भी ऐतिहासिक उपलब्धि के बेहद करीब रहे। वे एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने के विराट कोहली के रिकॉर्ड से सिर्फ 13 रन दूर रह गए।

जयपुर। पोलो मैच टीम ऑप्टिमस अचीवर्स और टीम जयपुर के बीच होगा मैच जयपुर में कल होगा 'राव राजा हनुत सिंह कप' का फाइनल जयपुर, 20 दिसंबर। राव राजा हनुत सिंह कप (12 गोल) का फाइनल रविवार, 21 दिसंबर को दोपहर 3:30 बजे राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। इस बहुप्रतीक्षित पोलो मैच में टीम ऑप्टिमस अचीवर्स का टीम जयपुर से मुकाबला होगा।

राजधानी

पत्नी पर जानलेवा हमला करने के अभियुक्त पति को 7 साल की सजा

जयपुर । अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-6 ने पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर उसे लहूलुहान करने वाले अभियुक्त पति पदम सिंह को 7 साल की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 12 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी पंकज बंसल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने अपनी पत्नी की हत्या का प्रयास किया और उसके चेहरे व माथे पर चाकू से कई वार कर उसे लहूलुहान का गंभीर अपराध किया। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। मामले से जुडे अधिवक्ता सुनील वशिष्ठ ने बताया कि घटना को लेकर मानवेन्द्र सिंह ने एक नवंबर, 2020 को करधनी पुलिस थाने में एक नवंबर 2020 को अभियुक्त के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि बीती रात उसकी बहन शिम्पा कंवर पर उसके पति पदम सिंह ने जानलेवा हमला किया है। अभियुक्त ने चाकू और पत्थर की मूसली से उसकी बहर पर कई गंभीर वार किए हैं। जिससे उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर जानलेवा चोट आई है। यह हमला उसकी बहन को जान से मारने के लिए साजिश के तहत किया गया। इसलिए अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई की जाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि वह बेकसूर है और उसे मामले में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

कनिष्ठ अनुदेशकों की काउंसलिंग 22 दिसंबर से

जयपुर (कासं)। कनिष्ठ अनुदेशक सीधी भर्ती-2024 के लिए अंतिम चयनित अभ्यर्थियों को 22 से 26 दिसंबर तक काउंसलिंग के बाद नियुक्तियां मिलेगी। बताया जा रहा है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में विभिन्न 20 व्यवसायों व विषयों में अंतिम चयनित 1544 अभ्यर्थियों को सितंबर-2025 में आयोजित रोजगार मेले में प्रोविजनल चयन पत्र जारी कर दिए थे। चूंकि कुल 2500 पदों पर पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण विभाग ने 26 से 28 नवंबर के बीच अतिरिक्त अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन करवाया और इसके बाद 5 दिसंबर को भर्ती बोर्ड जयपुर को पात्रता रिपोर्ट भेजते हुए शीघ्र ही संशोधित अंतिम परिणाम जारी करने के लिए कहा था।

साहस और संकल्प के साथ भारतीय सेना ने हर चुनौती का सामना किया : मुख्यमंत्री

8 से 12 जनवरी तक 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी में आधुनिक सैन्य तकनीकों से रूबरू होंगे आमजन

- 15 जनवरी को शौर्य संध्या में होगा "ऑपरेशन सिंदूर" लाइट एण्ड साउंड शो : भजनलाल शर्मा
- राजस्थान की धरती के कण-कण में शौर्य और बलिदान : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को 78वें आर्मी डे परेड संयुक्त कर्टन रेजर कार्यक्रम में वीरांगनाओं को नमन किया।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आर्मी डे भारत के गौरवशाली इतिहास, सम्मान और स्वाभिमान का दिन है। यह हमें भारतीय सेना के अप्रतिम शौर्य, कठोर अनुशासन, अतुलनीय बलिदान और अटूट राष्ट्रभक्ति को नमन करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि इस बार 78वें आर्मी डे परेड 2026 की मेजबानीजयपुर कर रहा है।

शर्मा शनिवार को जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी में 78वें आर्मी डे परेड संयुक्त कर्टन रेजर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्मी-डे परेड 2026 सैन्य छावनी की सीमाओं से बाहर, जगतपुरा के महल रोड पर आम नागरिकों के बीच आयोजित की जा रही है। यह आयोजन भारतीय सेना और नागरिकों के बीच विश्वास, जुड़ाव और सम्मान के रिश्ते को और मजबूत करेगा। इस परेड में लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टर्स की फ्लाई-पास्टटुकड़ियों का मार्च, ड्रोन तकनीक और आधुनिक युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा किआर्मी परेड के अवसर परएसएमएस स्टेडियम में "शौर्य संध्या 2026" के दौरान फर्स्ट डे कवर का विमोचन, शहीदों के परिजनों का सम्मान,परंपरागत युद्ध कलाओं केप्रदर्शन के साथ हीऑपरेशन सिंदूर का भव्य लाइट एंड साउंड शो आयोजित किया जाएगा। आधुनिक तकनीक के साथ 1000 ड्रोन्स का शो भी होगा। उन्होंने कहा कि 8 से 12 जनवरी 2026 तक 'नो योर आर्मी'प्रदर्शनी के दौरान आम नागरिकों को सेना की आधुनिक हथियार प्रणालियों और रक्षा तकनीक को नज़दीक से देखने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1947-48 से लेकर 1965, 1971 के भारत-पाक युद्धों, 1999 के कारगिल युद्ध से लेकर हाल के सैन्य अभियानोंमें भारतीय सेना ने हर चुनौती का साहस और संकल्प के साथ सामना किया है।ऑपरेशन पराक्रम, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने दुनिया को बताया कि हमारी सेना ना केवल आक्रामकता का जवाब देती है, बल्कि शांति, स्थिरता और राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी संरक्षक भी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती वीरता की भूमि है। यहां के कण-कण में शौर्य और बलिदान की गाथाएं समाहित हैं।

सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय सेना ने अपने अदम्य साहस और बहादुरी से पहाडों से लेकर रेगिस्तान तक देश की सीमाओं की रक्षा की है। इसके साथ ही, आतंकवाद और नक्सलवाद से मुकाबला कर देश की अंदरूनी सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि बाढ़, भूकंप और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं में भी सेना सदैव नागरिकों की सहायताके लिए तत्पर रही है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कीर्ति चक्रसे सम्मानित (मरणोपरांत) नायक मेघ राज सिंह, सेना मेडलसे सम्मानित(मरणोपरांत) हवलदार रामसिंह शेखावत, सेना मेडल सेसम्मानित (मरणोपरांत) लांस नायक बंशीधर यादव की वीरांगनाओं का सम्मान किया। साथ ही, उन्होंने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जीवन राजपुरोहित, सूबेदार अर्जुन सिंह राठौर, हवलदार मदन सिंह काजला को भी सम्मानित किया।

'संदेह और अपूर्ण साक्ष्य के आधार पर नहीं ठहराया जा सकता दोषी'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिश्वत से जुडे मामले में कहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी को सिर्फ संदेह और अपूर्ण साक्ष्य के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने रींगस थाने में तैनात रेलवे सुरक्षा बल के तत्कालीन थानाधिकारी और दो कांस्टेबल को एसीबी कोर्ट से मिली एक साल की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश कैलाश चंद सैनी व अन्य की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि रिश्वत मामले में दोषी ठहराने के लिए आरोपी के खिलाफ स्पष्ट मांग, स्वीकृति या बरामदगी सहित लंबित आधिकारिक कार्य का संदेह से परे साबित होना जरूरी है। याचिका में अधिवक्ता गिरिराज प्रसाद शर्मा ने एक आरोपी की ओर से अदालत को बताया कि साल 2007 में चिरंजी लाल ने एसीबी, सीकर में रिपोर्ट की थी कि रेलवे अधिनियम के तहत रींगस थाने में दर्ज एक मामले में उसका नाम हटाने के बदले आरोपी पांच हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। एसीबी ने 26 जुलाई को ट्रैप कार्रवाई की और दावा किया कि आरोपी कांस्टेबल सांवरमल मीणा से रिश्वत राशि मिली है। वहीं एसीबी कोर्ट ने साल 2023 में तीनों याचिकाकर्ताओं कैलाश चंद सैनी, जगवीर सिंह और सांवरमल को एक-एक साल की सजा सुनाई थी। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि मामले में परिवादी के बयान विरोधाभासी रहे हैं। वहीं परिवादी और उसके भाई के खिलाफ दर्ज मामले को जांच अधिकारी ने चार्जशीट के लिए पहले ही आगे भिजवा दिया था। ऐसे में याचिकाकर्ता मामले में परिवादी को लाभ पहुंचाने की स्थिति में नहीं था। इसके साथ ही ट्रैप कार्रवाई के समय किसी को स्वतंत्र व्यक्ति को गवाह नहीं बनाया गया।

बीमा क्लेम खारिज करने वाली कंपनी पर एक लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर-प्रथम ने फैमिली हेल्थ पॉलिसी होते हुए भी बीमित को इलाज खर्च राशि का भुगतान नहीं करने को सेवादोष माना है। वहीं गलत तरीके से परिवादियों का क्लेम खारिज करने पर बीमा कंपनी आदित्य बिडला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी पर एक लाख रुपए हर्जाना लगाया। इसके साथ ही बीमा कंपनी को निर्देश दिया है कि वह मृतका की कैंसर बीमारी पर खर्च हुए 21.14 लाख रुपए 9 फीसदी ब्याज सहित परिवादी पक्ष को दे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबेसिंह यादव, सदस्य हेमलता अग्रवाल व आशुतोष कुमार ने यह आदेश राहुल माथुर व अन्य के परिवाद पर दिए।

आयोग ने अपने आदेश में कहा कि परिवादिया को स्तन कैंसर बीमारी का पहला बार 28 जून 2023 को पता चला था। उनकी पॉलिसी 29 सितंबर 2019 से जारी थी। टॉप अप बीमा योजना, सुपर हेल्थ प्लस में उसे 50 लाख रुपए तक का कवर मिला हुआ था।

सार-समाचार

महिला कारीगरों को उन्नत टूल किट बांटे

जयपुर । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह के अंतर्गत सीतापुरा स्थित हस्तशिल्प सेवा केंद्र में निशुल्क उन्नत टूल किट वितरण समारोह आयोजित हुआ। ट्रस्ट अध्यक्ष एन.एल. वर्मा, सेनि. आरएएस ने बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमलेश शर्मा, शिल्प गुरु पुरस्कार प्राप्तकर्ता 2024 रहीं। विशिष्ट अतिथियों में मोहन लाल शर्मा (शिल्प गुरु), प्रेम देवी, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता, ब्लॉक प्रिंट, कुंज बिहारी सोनवा, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता, ब्लॉक प्रिंट, कार्पेट ट्रेनिंग अधिकार नवीन विष्णु रहे। मीडिया प्रभारी तथा स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना तथा महासचिव दुर्गा वर्मा ने बताया कि हस्तशिल्प कारीगरों के कौशल उन्नयन, उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं सतत आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 50 महिला हस्तशिल्प कारीगरों को कशीदाकारी के उन्नत टूल किट वितरित की गई। जिसमें सिलाई मशीन सहित 14 आइटम दिए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक कौशल सत्यार्थी, सेनि. मुख्य लेखाधिकारी सी. एल. आलोरिया, दिनेश, जुगल किशोर, नारायण बुनकर, सुमन देवी, विमला शेरावत, अंजू, गंगदेव, देवोजानी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नॉकआउट व डबल्स वर्ग में मुकाबला

जयपुर। आईएमटीएस पिंक सिटी सीज़न 3 डॉक्टर्स की वार्षिक राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में डबल्स और नॉकआउट चरण के मुकाबलों ने प्रतियोगिता को और अधिक रोमांचक बना दिया। विभिन्न आयु वर्गों में देशभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। आयोजन अध्यक्ष डॉ. जयंत सैन ने बताया कि डबल्स पुरुष 60 प्लस वर्ग में ग्रुप-सी के मुकाबले में अर्जुन / देवांग देसाई (तेलंगाना) ने संजिव / दीपक दीक्षित को 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। डबल्स महिला वर्ग में ग्रुप-बी के मुकाबलों में ज्योति मिश्रा / नयनिका रेड्डी (उत्तर प्रदेश) ने हेमल शाह / जानकी शाह को 6-1 से हराया। अगले मुकाबले में हेमल शाह / जानकी शाह (गुजरात) ने वापसी करते हुए स्मिता चव्हाण / गीता केकरे को 6-1 से पराजित किया। पैट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि डबल्स पुरुष 40-50 वर्ष वर्ग में ग्रुप-के में अनुपाल कहलोन / यादविंदर सिंह (पंजाब) ने रणजीत / आनंद को 6-2 से हराया। वहीं ग्रुप-एफ में रवि तेज / पवन मनोहर पाटिल (तेलंगाना) ने रवि थापर / विक्रांत शाह के खिलाफ 6-3 से जीत दर्ज की। आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि नॉकआउट चरण-सिंगल्स पुरुष अंडर-40 में कृष्णा साई (तेलंगाना) ने अभिषेक जी. देशपांडे को 6-1 से हराया, जबकि नीरज बसंतानी (उत्तर प्रदेश) ने उन्नीकृष्णन को 6-2 से पराजित किया।

शिक्षक उस नरेन्द्र से इस नरेन्द्र के सपने को साकार करने में भूमिका निभायें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राजस्थान शिक्षक संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया

बांसवाड़ा, 20 दिसम्बर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शिक्षकों का आव्हान किया कि वे नई शिक्षा नीति के अनुरूप तार्किक सोच रखें और भारत को आगे बढ़ाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि देश निर्णायक मोड़ पर है, ऐसे में उस नरेन्द्र से इस नरेन्द्र के 21वीं सद्री के सपने को पूरा करने के लिए शिक्षक अपनी महती भूमिका अदा करें। शर्मा राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा।**

प्रदेश स्तरीय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि पद से उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान सिर्फ अक्षर और पुस्तक तक नहीं सिमटना चाहिए, वरन् संस्कार, विचार और आत्मीयता के उच्च मूल्य तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि अब तक जितने भी परिवर्तन हुए हैं, उनका नेतृत्व शिक्षकों ने किया है। चाणक्य ने कहा था कि प्रलय और निर्माण शिक्षक की गोद में पलते हैं।

मुख्यमंत्री ने वागड़ के सभी देवी देवताओं का जयकारा लगाते हुए सभी शिक्षकों को नमन एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि मैं आशीर्वाद देने नहीं, वरन् आप सभी गुरुजनों से आशीर्वाद लेने आया हूं। उन्होंने बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पियेगा, वह दहाड़ेगा।

उन्होंने कहा कि गरीब व वंचितों को मुख्य धारा में लाना शिक्षा से ही संभव है। बेणेश्वर धाम महंत अच्युतानंद महाराज ने मुख्यमंत्री व शिक्षकों को आगामी 3 जनवरी पौष पूर्णिमा को बेणेश्वर धाम में आयोजित होने वाली विशाल पदयात्रा में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। जनजातीय मंत्री बाबूलाल खराड़ी, हेमंत मीणा एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, महेन्द्र कपूर मौजूद थे। मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नारायण लाल गुप्ता थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन के समापन सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

205 दवाओं के सैंपल फेल

नई दिल्ली, 20 दिसंबर। हाल ही में देश में दवाओं के सैंपल्स की गुणवत्ता जांच में 205 दवाओं के सैंपल फेल हो गए हैं।

केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने देशभर में बनी दवाओं के सैंपल लिए थे, जिनमें खांसी, बुखार, शुगर और हार्ट अटैक से जुड़ी दवाएं शामिल थीं।

इन दवाओं में से 47 हिमाचल प्रदेश में बनाई गई थीं। हिमाचल में

- **इन दवाओं में हार्ट अटैक, बुखार-खाँसी की मैडिसिन भी शामिल हैं और अधिकांश दवाएं हिमाचल प्रदेश की कंपनियों में बनी हैं।**

जिन जिलों की कंपनियों की दवाएं फेल हुई हैं, उनमें सोलन जिले की 28, सिरमौर की 18 और ऊना की एक कंपनी शामिल है। सभी संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं।

फेल दवाओं में पैरासिटामोल, मेटफॉर्मिन, एस्पिरिन, रेमिप्रिल, क्लोपिडोग्रेल, सोडियम वैल्प्रोएट, मेबेवेरिन हाइड्रोक्लोराइड, क्लेरिथ्रोमाइसिन, टेलमीसार्टन, सेफिसाइन और जेंटामाइसिन इंजेक्शन जैसी दवाएं शामिल हैं, जो टाइफाइड, फेफड़ों व मूत्र संक्रमण, अस्थमा, खांसी, एलर्जी और पाचन तंत्र की बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं।

वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा में डमी बैठाने वाले दो जालसाज़ गिरफ्तार

जयपुर, 20 दिसम्बर। एसओजी (स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप) ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) भर्ती परीक्षा 2022 में डमी परीक्षार्थी बिठाकर फर्जी तरीके से चयनित होने वाले दो मुख्य आरोपियों, दिनेश कुमार और दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि ये दोनों आरोपी पिछले दो वर्षों से पुलिस को चकमा दे रहे थे। इनके खिलाफ न्यायालय द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था और एसओजी ने इन पर पांच-पांच

- **दो साल से पुलिस को चकमा दे रहे दोनों आरोपियों को एसओजी ने पुणे व जयपुर में पकड़ा।**

हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था।

मामला वर्ष 2022 की वरिष्ठ अध्यापक भर्ती से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 29 जनवरी 2023 को सामान्य ज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षाओं में खुद बैठने के बजाय डमी परीक्षार्थियों को बिठाया था और ये दोनों वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान विषय) के पद पर चयनित भी हो गए थे। लेकिन जांच की आंच पहुंचते ही फरार हो गए।

पुलिस उपमहानिरीक्षक परिस देशमुख के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने आरोपी दिनेश कुमार को महाराष्ट्र के पुणे से और आरोपी दिनेश कुमार को जयपुर से गिरफ्तार किया।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार शर्मा मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं। अब पुलिस का मुख्य फोकस उन डमी परीक्षार्थियों तक पहुँचना है, जो इन आरोपियों की जगह परीक्षा में बैठे थे।

जस्टिस स्वामीनाथन पर महाभियोग की कोशिश पर 36 पूर्व जज भड़के

नई दिल्ली, 20 दिसंबर। मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी. आर. स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग लाने की विपक्षी दलों कोशिश पर देश के 36 पूर्व न्यायाधीशों ने कड़ी आपत्ति जताई है। पूर्व जजों ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की जड़ों पर सीधा हमला बताते हुए संसद सदस्यों और आम जनता से इस कदम की खुलकर निंदा करने की अपील की है।

पूर्व न्यायाधीशों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि अगर इस तरह की कोशिशों को आगे बढ़ने दिया गया, तो इससे न्यायाधीशों को राजनीतिक और वैचारिक दबाव में काम करने के लिए

- **उन्होंने कहा, न्यायपालिका और लोकतंत्र को भारी खतरा है**

मजबूर किया जाएगा, जो संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

बयान में यह भी कहा गया कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पूर्व जजों ने 2018 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग की कोशिश और बाद में तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई, एस. ए. बोबडे और डी. वाई. चंद्रचूड़ के खिलाफ चलाए गए अभियानों का भी जिक्र किया। उन्होंने मौजूदा सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत के खिलाफ हो रहे हमलों को भी इसी खतरनाक प्रवृत्ति का हिस्सा बताया।

ज्ञातव्य है कि 1 दिसंबर को जस्टिस स्वामीनाथन ने आदेश दिया था कि तमिलनाडु के अरुलमिघु सुब्रमणिया स्वामी मंदिर में दीपथून ? के दौरान दीप जलाना मंदिर की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इससे पास स्थित दरगाह या मुस्लिम समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता। इस फैसले के बाद विवाद खड़ा हो गया।

भाजपा का पलटवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर "भूत" लाभार्थियों (अर्थात् जो हैं ही नहीं) के नाम थे, और इसके जरिए गरीबों तक पहुँचने वाले हर एक रूपए पर 5 रूपए खर्च होते हैं।

सरकार के 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, 193.67 करोड़ की दस्तावेजी हेराफेरी पाई गई है। 23 राज्यों में निगरानी से यह पाया गया कि या तो काम "नहीं मिले, या खर्च के अनुपात में नहीं थे।" इस बीच, 12,219 करोड़ रूपए की मजदूरी का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है, यह वह धन है जो श्रमिकों को देना है, लेकिन एक ऐसे सिस्टम में फंसा हुआ है, जो समय पर भुगतान की गारंटी नहीं दे सकता।

अब देखें कि वीबी जी राम जी बिल वास्तव में क्या निर्धारित करता है: प्रत्येक लेन-देन के लिए बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण, कार्य स्थलों पर जीपीएस और सैटेलाइट निगरानी, धोखाधड़ी की ए आई से पहचान, और प्रति सप्ताह जानकारी सार्वजनिक करना। विपक्ष इसे "निगरानी" कहता है। एक अधिक सटीक विवरण यह है कि इससे भूतिया श्रमिकों को बनाए रखना और काल्पनिक कार्य स्थलों का दावा करना तथा गबन छिपाना कठिन हो जाता है।

60:40 फंडिंग विभाजन पूरी गणना को बदल देता है। जब राज्य को 40 प्रतिशत लागत वहन करनी होगी तो उनकी नौकरशाही के पास अचानक यह कारण आ जाएगा कि है कि खर्च वास्तविक हो। ग्राम पंचायतों को, जो राजनीतिक समर्थकों को काम सौंपती थीं, अब बिचौलियों का बायोमीट्रिक सत्यापन का सामना करना होगा, जो हर लेन-देन से अपना हिस्सा निकालते थे, अब वास्तविक समय में जीपीएस ट्रैकिंग का सामना करना होगा।

इसलिए, इस बहस का फोकस "संघवाद" और "अधिकारों" पर है, न कि कार्यान्वयन पर। वास्तविक स्थिति प्रतिकूल है। भारत की डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) संरचना पहले ही यह साबित कर चुकी है कि क्या संभव है, 2009 से अब तक 3.48 लाख करोड़ की कुल बचत हुई, जिसमें 9.2 करोड़ फर्जी या डुप्लिकेट लाभार्थियों को सरकारी रजिस्टर से हटा दिया गया। कल्याण दक्षता सूचकांक 2014 में 0.32 था, जो 2023 में बढ़कर 0.91 हो गया।

विपक्ष मानता है कि मनरेगा के वर्तमान रूप में लागू होने की रक्षा की जानी चाहिए। लेकिन केवल 7.61 प्रतिशत पंजीकृत परिवार ही 100 कार्य दिवस पूरा करते हैं। औसतन यह 50-60 दिनों के आसपास रहता है। कानूनी रूप से गारंटीकृत अधिकार, अधिकांश प्रतिभागियों के लिए, एक सैद्धांतिक अवधारणा है, जबकि प्रशासनिक लागत और रिसाव वास्तविक आर्थिक लागत पर असर डालते हैं।

वीबी जी राम जी बिल का मुख्य लॉजिक सटीक है: जवाबदेही तंत्र असली श्रमिकों के लिए संसाधन खोल देता हैं और फर्जी श्रमिकों को समाप्त करता है। सवाल यह नहीं है कि मनरेगा में बदलाव होना चाहिए या नहीं, सवाल यह है कि विपक्ष का असली विरोध सुधार से है, या उस नियंत्रण खोने से, जो सुधार के कारण खतरे में आ गया है।

दिल्ली में आज फिर 138 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 20 दिसंबर। दिल्ली-एनसीआर सहित, उत्तर तथा पूर्वी भारत के कई हिस्सों में कोहरे के कारण यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को 138 उड़ानें रद्द रहीं। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि

- **दिल्ली सहित उत्तर भारत में भारी कोहरे का प्रकोप बना हुआ है।**

आज दिल्ली से जाने वाली 69 और दूसरे शहरों से यहां आने वाली इतनी ही उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा कुछ उड़ानों में देरी की भी सूचना है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली समेत उत्तर भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में इन दिनों तड़के और सुबह के समय घना कोहरा बन रहा है, जिससे उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि रविवार को भी हवाई अड्डे पर घना कोहरा रहेगा और तड़के दृश्यता 100 मीटर तक गिर सकती है।

राजधानी एक्सप्रैस हाथियों के झुंड से टकराई, सात हाथियों की मौत

दुर्घटना में ट्रेन के 5 डिब्बे पटरी से उतर गए, कोई यात्री घायल नहीं हुआ

गुवाहाटी, 20 दिसंबर। असम के नागांव जिले में नयी दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस शुक्रवार देर रात एक हाथियों के झुंड से टकरा गयी, जिससे ट्रेन के पांच डिब्बे पटरी से उतर गये और सात हाथियों की मौत हो गयी। इस दुर्घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना कल देर रात करीब दो बजे हुई, जब सैरांग (मिजोरम) से नयी दिल्ली जा रही ट्रेन जमुनामुख-कम्पुर सेक्शन के अंतर्गत हाथियों के झुंड से टकरा गयी। यह क्षेत्र हाथियों के लिए चिह्नित क्षेत्र नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों ने हाल के दिनों में वहां हाथियों को विचरण करते हुए देखा था।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क

- **पूर्वोतर सीमान्त रेल्वे के अधिकारियों ने बताया कि हादसा जिस क्षेत्र में हुआ वह हाथियों के लिए चिन्हित नहीं है, पर हाल ही में वहां हाथियों की सक्रियता देखी गई है।**

अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना लुमडिंग डिवीजन के जमुनामुख-कम्पुर सेक्शन में हुई, जहां ट्रेन संख्या 20507 डीएन सैरांग-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस हाथियों झुंड से टकरा गयी, जिसके कारण लोकोमोटिव और पांच डिब्बे पटरी से उतर गये। किसी यात्री को इस दुर्घटना से कोई चोट या हानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि घटना स्थल गुवाहाटी से लगभग 126 किमी दूर है। दुर्घटना राहत ट्रेनें और डिवीजनल मुख्यालय के अधिकारी मौके पर पहुंच गये हैं। पटरी से उतरे डिब्बों के यात्रियों को अस्थायी तौर पर अन्य डिब्बों में खाली बर्थ में पर भेजा गया है। डिब्बों को अलग करने के बाद ट्रेन सुबह 6:11 बजे गुवाहाटी के लिए रवाना हो गयी। शर्मा ने कहा कि यह घटना ऐसे स्थान पर हुई जो हाथियों के लिए निर्धारित गलियारा नहीं है। लोको पायलट ने हाथियों के झुंड को देखकर आपात स्थिति में ब्रेक लगाये, लेकिन फिर भी हाथी ट्रेन की चपेट में आ गये। इस सेक्शन से गुजरने वाली अन्य ट्रेनों को अप लाइन के माध्यम से डायवर्ट किया जा रहा है और पटरी की मरम्मत का कार्य जारी है।

अमित शाह का हिमाचल दौरा रद्द

कांगड़ा, 20 दिसंबर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हिमाचल प्रदेश का प्रस्तावित दौरा रद्द हो गया है। गृह मंत्री को आज ज्वालामुखी स्थित सपड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के

- **शाह सशस्त्र सीमाबल के 62 वें स्थापना दिवस में शामिल होने वाले थे।**

62वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होना था, लेकिन ऐन मौके पर उनका दौरा रद्द हो गया। एसएसबी सपड़ी प्रशासन ने इस बाबत आधिकारिक जानकारी सांझा की है। हालांकि गृह मंत्री का दौरा किन कारणों के चलते रद्द हुआ इस बाबत कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अमित शाह के दौरे के रद्द होने के बाद अब कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अब एसएसबी के महानिदेशक संजय सिंघल समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

भाजपा के मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यवहार के उदाहरण हैं, जिनकी उम्मीद राहुल गांधी से नहीं की जाती, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत में उनमें धैर्य का नितांत अभाव दिखता है।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ प्रियंका गांधी की बातचीत भी वायरल हुई और मीडिया ने उनकी तस्वीरें हर जगह दिखाईं।

यहाँ तक कि भाजपा के मंत्री और सांसद भी आपस में प्रियंका गांधी की चर्चा करते सुने गए और यह कहते दिखे कि उनका व्यवहार राहुल गांधी से कितना अलग था और उनका प्रदर्शन कितना असरदार रहा।

जितनी चर्चा और सराहना प्रियंका गांधी को मिली, उसे देखते हुए लगता है कि राहुल गांधी को अपनी जर्मनी यात्रा का समय बेहतर ढंग से तय करना चाहिए था और संभव है कि उन्हें और उनकी टीम को संसद से उनकी गैरमौजूदगी के समय पर अफ़सोस भी हो रहा हो।

वो दिन गए, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का समर्थन किया। पिछले 18 महीनों से भाजपा पार्टी अध्यक्ष के लिए किसी नाम पर फ़ैसला नहीं कर पा रही थी। यह कोई संयोग नहीं है कि बिहार की जीत के तुरंत बाद अपेक्षाकृत कम चर्चित नेता नितिन नबीन को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया। सभी संकेत यही बताते हैं कि निकट भविष्य में तथा सम्भवतः और आगे भी नबीन हर तरह से मोदी-शाह की इस जोड़ी के अधीन रहकर ही काम करेंगे। बीते महीनों की रिपोर्ट बताती थीं कि आरएसएस भाजपा अध्यक्ष पद पर अपने पसंदीदा व्यक्ति को बैठाने के लिए दृढ़ था। नबीन की नियुक्ति से भले ही पीढ़ीगत बदलाव का संकेत मिलता हो, लेकिन इसे आरएसएस की जीत के रूप में नहीं देखा जा रहा है।

राजस्थान में नये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि वकीलों ने हाईकोर्ट के इस नए कैलेंडर का विरोध किया है। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा सहित, अन्य वकीलों और संगठनों ने इस संबंध में मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर इस पर पुनर्विचार करने का निवेदन किया है।

रविवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा भी उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में लगभग 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई हैं।

हथियार तस्करी का आरोपी भगोड़ा सैनिक गिरफ्तार

मोहाली, 20 दिसंबर। पंजाब में मोहाली के स्टेट स्पेशल ऑपरेशंस सेल (एसएसओसी) ने सेना के भगोड़े राजबीर सिंह उर्फ फौजी और उसके साथी को सीमा पार ड्रग्स और हथियारों की तस्करी रैकेट में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि सभी लिंक पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, ऑपरेशन ने टेरर फाइनेंसिंग और ड्रग तस्करी में शामिल एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया, जिससे एक हैंड ग्रेनेड और 500 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने कहा कि राजबीर सिंह इस साल की शुरुआत में पुलिस थाना घरिंडा, अमृतसर ग्रामीण में दर्ज एक जासूसी मामले में भी वांछित है। यादव ने कहा कि जांच में हरियाणा के सिरसा में एक महिला पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड हमले की साजिश में उसकी भूमिका का भी पता चला है, जिसमें हैंड ग्रेनेड की डिलीवरी और हमले के लिए फंडिंग शामिल है। इस मामले की जांच जारी है।

सोनिया गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यसमिति (सी.डब्ल्यु.सी.) की एक पूर्ण बैठक बुलाई है, जिसमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में प्रस्तावित संशोधनों के ख़िलाफ़ देशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।

कांग्रेस का आरोप है कि केन्द्र सरकार द्वारा क़रीब 40 प्रतिशत वित्तीय बोझ राज्यों पर डालने की योजना, दुनिया के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक, मनरेगा को प्रभावी ढंग से खोखला कर देगी।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार, कई राज्य, जो पहले ही गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं, केन्द्र को बता चुके हैं कि सुनिश्चित केन्द्रीय फण्डिंग के बिना वे इस योजना को लागू करने की स्थिति में नहीं हैं। एक वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी ने कहा, "यह और कुछ नहीं, बल्कि केन्द्र की ज़िम्मेदारी राज्यों पर थोपने की कोशिश है, जबकि कई राज्य मुश्किल से वेतन और ज़रूरी कल्याण योजनाएँ चला पा रहे हैं।"

यूपीए दौर में मनरेगा की मुख्य शिल्पकार मानी जाने वाली सोनिया गांधी ने इस मुद्दे की व्यक्तिगत कमान संभाल ली है। संसद की अग्रिम पंक्तियों से लेकर सदन के बाहर सार्वजनिक संदेशों तक, उन्होंने लगातार चेतावनी दी है कि ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना की संरचना में बदलाव सबसे ग़रीब नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा पर सीधा हमला होगा।

पार्टी नेताओं का कहना है कि उनके हस्तक्षेप का मकसद न सिर्फ़ सरकार को चुनौती देना है, बल्कि व्यापक राजनीतिक लामबंदी से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरना भी है।

एक शीर्ष कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार दावा कर रही है कि वह सिर्फ़ नाम बदल रही है तथा कानून को सुव्यवस्थित कर रही है, लेकिन हक़ीक़त में वह ग्रामीण भारत की आत्मा पर हमला कर रही है। मनरेगा सबसे ग़रीब लोगों, सीमांत किसानों, खेत मज़दूरों और भूमिहीन परिवारों, के लिए काम की गरिमा और जीवन का सहारा है।

कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि यह मुद्दा ग्रामीण भारत में लोगों पर गहरा असर डाल सकता है, ख़ासकर ऐसे समय में जब महँगाई, बेरोज़गारी और कृषि संकट बड़ी चिंताएँ बनी हुई हैं। कांग्रेस कार्यसमिति विरोध प्रदर्शनों, रैलियों और राज्य इकाइयों के साथ तालमेल के लिए रोडमैप को अंतिम रुप देने वाली है और ऐसे में पार्टी मनरेगा को मोदी सरकार के ख़िलाफ़ अपने राजनीतिक आक्रमण का केन्द्रीय मुद्दा बना रही है।

जैसे-जैसे टकराव तेज़ हो रहा है, ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना, जो कभी दोनों पार्टियों की सहमति वाला सोशल सेफ्टी नैट थी, अब सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ती राजनीतिक लड़ाई में टकराव का मुद्दा बन गई है।

'ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनने का कोई पैक्ट नहीं हुआ था'

कर्नाटक के मु.मंत्री सिद्धारमैया ने दो टूक कहा और मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने से इनकार कर दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। सिद्धारमैया ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने रहने के अपने इरादे को स्पष्ट किया है, जबकि उनके उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की ओर से दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। शिव कुमार 2023 में हुए एक अघोषित समझौते पर कार्यकाल के बीच में नेतृत्व परिवर्तन की उम्मीदें लगाये हुये हैं। उस समझौते के अनुसार दोनों नेता राज्य के शीर्ष पद को "साझा" करेंगे तथा दोनों में से प्रत्येक इस पद पर ढाई वर्ष तक रहेगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने, राज्य में नेतृत्व संघर्ष के बीच, हाईकमान का समर्थन प्राप्त होने की बात कही, और अपने प्रतिद्वंदी डीके शिवकुमार के साथ ढाई साल मुख्यमंत्री की कुर्सी शेयर करने की किसी भी बात को दृढ़ता से नकार दिया है।

शिवकुमार ने पार्टी हाई कमान से

- **इसी बीच डी के शिवकुमार की अधीरता बढ़ती जा रही है, उन्हें उम्मीद है कि पार्टी हाईकमान वादा निभाएगा और उन्हें मु.मंत्री की कुर्सी दी जाएगी।**
- **डी के शिवकुमार ने कहा कि पार्टी हाईकमान ने उन्हे व सिद्धारमैया को नेतृत्व के मसले पर चर्चा के लिए दिल्ली बुलाने की बात कही है और हम दोनों ही दिल्ली जाएंगे।**
- **मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का दावा है कि नेतृत्व के इस संघर्ष में उन्हें आलाकमान का पूर्ण समर्थन प्राप्त है।**

मिलने दिल्ली जाने के सम्बंध में कहा, "हम दोनों जाएंगे।"

शिवकुमार के इस बयान से एक दिन पहले सिद्धारमैया ने विधानसभा में जोर देते हुये कहा था कि वे अपने पद पर बने रहेंगे।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष के बीच, शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस हाईकमान ने दोनों नेताओं को यह बता दिया है कि इस मामले पर चर्चा करने के लिये उन्हें दिल्ली कब बुलाया जायेगा।

मीडिया ने शिवकुमार को यह कहते हुये उद्धृत किया, "मैं आपको सूचित करूंगा, मैं आपको सूचित किए बिना कुछ भी नहीं करूंगा। मैं आपसे छिपकर नहीं जाऊंगा," वे पत्रकारों के इन सवालों का जवाब दे रहे थे कि क्या वे और सिद्धारमैया पार्टी हाईकमान से मिलने के लिए नई दिल्ली जाएंगे। शिवकुमार ने कहा, "उन्होंने हम दोनों को कुछ बताया है, उन्होंने दोनों को फोन पर बताया है कि हमें कब बुलाया जाएगा। हम जाएंगे, हम दोनों ही जाएंगे।"

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "हाईकमान ने कहा है कि वे दोनों को उचित समय पर बुलाएंगे, हम कॉल का इंतजार कर रहे हैं।"

विधानसभा में उत्तर कर्नाटक के विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हुए, सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने कभी यह दावा नहीं कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल आधे समय तक सीमित होगा।

"मुझे पूरा विश्वास है कि हाईकमान मुझे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने देगा," यह बात उन्होंने भाजपा के विधायकों के इस सवाल का जवाब देते हुए कही कि क्या सरकार द्वारा उत्तर कर्नाटक से किए गए वादे उनके कार्यकाल के दौरान पूरे हो जायेंगे।

गगनयान मिशन के लिए पैराशूट प्रणाली का ट्रायल सफल

इसरो ने इसे मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन की दिशा में बड़ा कदम बताया

बेंगलुरु, 20 दिसंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष यात्रियों की पृथ्वी पर वापसी के दौरान उपयोग की जाने वाली एक प्रमुख सुरक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण करके भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, गगनयान की दिशा में एक और कदम उठाया है।

इसरो की ओर से शनिवार को जारी बयान में बताया गया कि इसरो ने गुरुवार और शुक्रवार को चंडीगढ़ में एक उच्च गति परीक्षण सुविधा में विशेष पैराशूट (जिन्हें ड्रग पैराशूट के रूप में जाना जाता है) पर परीक्षणों की एक श्रृंखला आयोजित की। इन पैराशूटों को गगनयान क्रू मॉड्यूल को धीमा करने और स्थिर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसरो के मुताबिक जब क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष से लौटता है, तो वह बेहद तेज़ गति से यात्रा करता है। सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के

- **इसरो ने कहा, यह पैराशूट प्रणाली गगनयान की पृथ्वी पर सफल वापसी सुनिश्चित करती है।**

लिए पैराशूट का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल किया जाता है। सबसे पहले, छोटे पैराशूट इसके डिब्बे के सुरक्षात्मक आवरण को हटा देते हैं। इसके बाद दो ड्रग पैराशूट की तैनाती की जाती है, जो कैप्सूल को स्थिर करते हैं और उसकी गति को कम करते हैं। इसके बाद, मॉड्यूल को और धीमा करने के लिए बड़े पैराशूट छोड़े जाते हैं, जिससे यह सुरक्षित रूप से उतर सके। इसरो के अनुसार, सफल परिणाम ने गगनयान मिशन को वास्तविकता के एक कदम और करीब ला दिया है। गगनयान का लक्ष्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित वापस लाना है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908